सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 309 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 22 अगस्त 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

नसबंदी के बाद कुत्तों को छोड़ें, शेल्टर होम में रहेंगे आक्रामक कुत्ते : सुप्रीम कोर्ट

सर्वोच्च न्यायालय ने किया 11 अगस्त के आदेश में संशोधन, नसबंदी के साथ टीकाकरण का भी निर्देश

नई दिल्ली ए.। सर्वोच्च न्यायालय ने 11 अगस्त के आदेश में संशोधन करते हुए कहा कि आवारा कुत्तों को नसबंदी और टीकाकरण के बाद उसी क्षेत्र में वापस छोड़ दिया जाएगा, सिवाय उन कुत्तों के जो रेबीज से संक्रमित हैं या जिनका व्यवहार आक्रामक दिखाई दे रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि कुत्तों को सार्वजनिक रूप से खाना खिलाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। आवारा कुत्तों को खाने-पानी की चीजें मुहैया कराने या फिर उन्हें खिलाने-पिलाने के लिए अलग से स्थान बनाए जाएंगे। कोर्ट ने कहा कि कहीं भी कुछ भी खाने-पीने को देने से ही कई घटनाएं घटित हुई हैं।

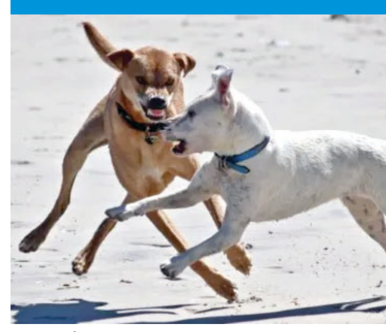

इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने 11 अगस्त के उस निर्देश पर रोक लगा दी है जिसमें कहा गया था कि जिन आवारा कुत्तों को पकड़ा गया है उन्हें छोड़ा नहीं जाना चाहिए। 14 अगस्त को जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की स्पेशल बेंच ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखा था। शुक्रवार को सर्वोच्च न्यायालय ने आदेश दिया कि नगर निगम (एमसीडी) को वार्डों में खाना खिलाने के लिए समर्पित स्थान बनाने चाहिए। कोर्ट ने आदेश दिया कि यदि किसी लोक सेवक को अपना कर्तव्य निभाने से रोका जाता है, तो वह इसके लिए उत्तरदायी होगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि पशु प्रेमी कुत्तों को गोद लेने के लिए एमसीडी के सामने आवेदन कर सकते हैं।

राष्ट्रीय नीति बनाने पर मांगी प्रतिक्रिया

सर्वोच्च न्यायालय ने आवारा कुत्तों की समस्या पर अपनी कार्यवाही का दायरा बढ़ाते हुए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पशुपालन विभाग के सचिवों को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने इस समस्या से निपटने के लिए राष्ट्रीय नीति बनाने पर उनकी प्रतिक्रिया मांगी है। शीर्ष न्यायालय ने अपनी रजिस्ट्री को उन सभी उच्च न्यायालयों से जानकारी प्राप्त करने का भी निर्देश दिया है, जहां आवारा कुत्तों के मुद्दे पर याचिकाएं लंबित हैं। कोर्ट ने आदेश दिया है कि ऐसे सभी मामले शीर्ष न्यायालय को हस्तांतरित कर दिए जाएंगे। कोर्ट ने कहा- इसके लिए नेशनल लेवल पर एक नीति बननी चाहिए। हमने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पक्षकार बनाया है।

खास-खबर

रायपुर कैंसर अस्पताल का होगा उन्नयन, मिलेगी अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधा

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के कुशल नेतृत्व में प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं नई ऊंचाइयों की तरफ अग्रसर हैं। इसी क्रम में डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय स्थित कैंसर अस्पताल की जी प्लस टू (ग्राउंड फ्लोर प्लस दो मंजिल) बिल्डिंग का विस्तार होकर जी प्लस सिक्स (ग्राउंड फ्लोर प्लस छः मंजिल) में उन्नयन होने जा रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने बताया कि इन परियोजना के लिए लगभग 39.36 करोड़ रूपए की पुनरीक्षित राशि स्वीकृत की गई है। उन्होंने एक बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए कार्य को जल्द गति दी जाए। स्वास्थ्य मंत्री के अनुसार यह बिल्डिंग सिर्फ किसी भवन या निर्माण कार्य का विस्तार नहीं बल्कि प्रदेश की जनता के लिए उम्मीद की नई किरण है। कैंसर अस्पताल के जी प्लस सिक्स के विस्तार के साथ राज्य की जनता को भी अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त होंगी। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार प्रकट करते हुए कहा है कि यह कदम छत्तीसगढ़ राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को नई पहचान दिलाने की दिशा में अग्रसर होगा।

दो युवतियां समेत 5 ड्रग पैडलर्स गिरफ्तार, अफगानिस्तान से लाए थे रायपुर

रायपुर। राजधानी रायपुर में नशे के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई सामने आई है। कबीरनगर थाना पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय नशे के सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में दो युवतियों समेत कुल 5 ड्रग पैडलर्स को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 273.19 ग्राम हेरोइन बरामद की है, जिसकी कीमत करीब 30 लाख रुपये आंकी जा रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह हेरोइन अफगानिस्तान से लाई गई थी।

गिरफ्तार आरोपियों में मनमोहन सिंह, जसप्रीत कौर, दिव्या जैन, विजय मोटवानी और नितिन पटेल शामिल हैं।पुलिस सूत्रों के मुताबिक, यह गैंग लंबे समय से नशे की तस्करी में सक्रिय था और राजधानी में इसकी बड़ी सप्लाई चेन तैयार की जा रही थी। पुलिस आज इस पूरे मामले का आधिकारिक खुलासा कर सकती है। कबीरनगर थाना क्षेत्र का मामला फिलहाल रायपुर पुलिस के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

प्लेसमेंट कैम्प 25 अगस्त को सैकड़ों पदों पर निकली भर्ती

धमतरी। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र धमतरी द्वारा आगामी 25 अगस्त को प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जाएगा। सुबह 11 से शाम 4 बजे तक जिला रोजगार कार्यालय में आयोजित इस प्लेसमेंट कैम्प में निजी क्षेत्र के नियोजकों द्वारा सिक्यूरिटी गार्ड, सुपरवाईजर, मार्केटिंग, एजेंट, असिस्टेंट सुपरवाईजर सहित कुल 410 विभिन्न पदों पर भर्तियों के लिए साक्षात्कार लिया जाएगा। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि ऐसे आवेदक, जिनकी शैक्षणिक योग्यता आठवीं, बारहवीं, ग्रेजुएट, एमबीए उत्तीर्ण है, वे प्लेसमेंट कैम्प की साक्षात्कार प्रकिया में शामिल हो सकते हैं। प्लेसमेंट कैम्प में शामिल होने के लिए आवेदक को शैक्षणिक योग्यता, तकनीकी योग्यता, निवास, जाति, रोजगार कार्यालय का पंजीयन प्रमाण पत्र और दो पासपोर्ट साईज के फोटो अपने साथ लाना होगा।

जापान एवं दक्षिण कोरिया के दौरे पर सीएम साय, टोक्यो पहुंचे

छत्तीसगढ़ को वैश्विक निवेश मानचित्र पर स्थापित करेगा सीएम साय का दौरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन (ITPO), भारत सरकार के आमंत्रण पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल जापान और दक्षिण कोरिया के आधिकारिक दौरे पर रवाना हुआ। शुक्रवार को वे टोक्यो पहुंचे जहां जापान के डेलीगेड्स ने उनका स्वागत किया । गुरुवार को पहले दिल्ली पहुंचे और वहां से जापान के लिए रवाना हुए। सीएम साय जापान और दक्षिण कोरिया में 10 दिनों तक अलग अलग बैठकों में हिस्सा लेंगे। छत्तीसगढ़ के आद्योगिक विकास के लिए सीएम साय का जापान व दक्षिण कोरिया का दौरा काफी अहम माना जा रहा है।

सीएम साय की इस यात्रा का उद्देश्य छत्तीसगढ़ को वैश्विक निवेश मानचित्र पर स्थापित करना है। टोक्यो में प्रतिनिधिमंडल जापानी उद्योगपतियों, व्यापार संघों और निवेशकों के साथ इन्वेस्टर कनेक्ट सेशंस एवं व्यावसायिक बैठकों में भाग लेगा। इसके बाद ओसाका में 25 व 26 अगस्त को में

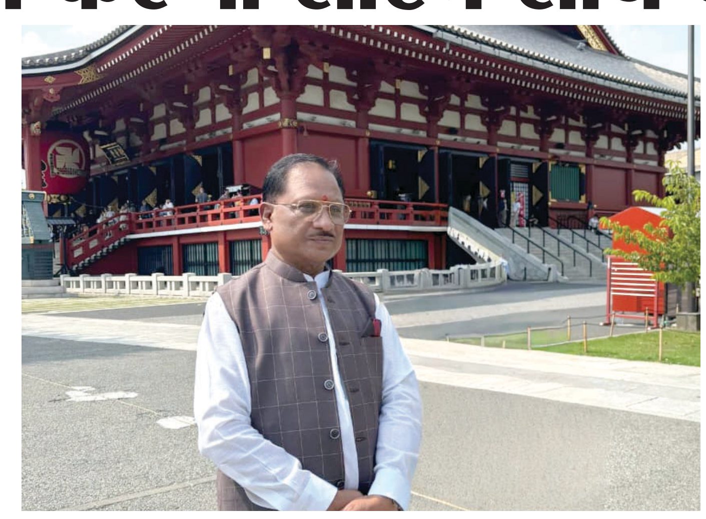

मुख्यमंत्री साय वर्ल्ड एक्सपो 2025 में शामिल होंगे और छत्तीसगढ़ में निवेश अवसरों पर विभिन्न हितधारकों से चर्चा करेंगे। दौरे का अंतिम चरण सियोल में 27 व 29 अगस्त में होगा, जहां निवेशक गोलमेज बैठकों, कोरिया की शीर्ष कंपनियों और व्यापार संघों से मुलाकात तथा सेक्टर-विशेष संवाद आयोजित किए जाएंगे।

विश्व के सबसे बड़े नवाचार और सहयोग प्लेटफार्मों में से एक में भाग लेकर मुख्यमंत्री साय इस अवसर का उपयोग इस्पात, खनन, स्वच्छ ऊर्जा और स्टार्टअप्स जैसे क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने के लिए करेंगे। यह मिशन राज्य की सक्रिय पहल को दर्शाता है, जिसका उद्देश्य छत्तीसगढ़ को वैश्विक निवेशकों के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बनाना और आर्थिक विकास के नए अवसरों को खोलना है।

वर्ल्ड एक्सपो में छत्तीसगढ़ पर रहेगा फोकस

ओसाका में आयोजित वर्ल्ड एक्सपो 2025 में भारत मंडपम अंतर्गत छत्तीसगढ़ पवेलियन के माध्यम से छत्तीसगढ़ की समृद्ध विरासत, नवाचार की संस्कृति और उभरते भविष्य-उन्मुख क्षेत्रों को वैश्विक दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। पवेलियन को राज्य की अनूठी पहचान को दर्शाने के उद्देश्य से डिज़ाइन किया गया है। इसमें औद्योगिक विकास, नवीकरणीय ऊर्जा, सूचना प्रौद्योगिकी और सतत विकास जैसे प्रमुख फोकस क्षेत्रों को शामिल किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि यह प्रदर्शनी पूरी दुनिया के लिए छत्तीसगढ़ के परिवर्तन और भविष्य की आकांक्षाओं की झलक प्रस्तुत करेगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जापान और कोरिया के उद्योगपतियों, व्यापार संघों और वैश्विक निवेशकों से सीधे संवाद करेंगे, जिसका उद्देश्य दीर्घकालिक साझेदारियाँ स्थापित करना, नए व्यापारिक चैनल खोलना तथा प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में ज्ञान आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है।

कुत्ते का झूठा भोजन खिलाने का मामला, हाईकोर्ट ने कहा 84 बच्चों को दें 25-25 हजार

■ बलौदा बाजार जिले के लच्छनपुर सरकारी स्कूल का मामला

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने बलौदाबाजार जिले के एक सरकारी स्कूल में बच्चों को मिड डे मील में कुत्ते का जूठा भोजन परोसने के मामले में बड़ा फैसला किया है। इस मामले में हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को सभी 84 प्रभावित बच्चों को महीने के भीतर 25-25 हजार का भुगतान करने के निर्देश दिए हैं।

बता दें कि बलौदाबाजार जिले के पलारी ब्लॉक के लच्छनपुर सरकारी मिडिल स्कूल में 28 जुलाई 2025 को मिड-डे मील के तहत बच्चों को वह भोजन परोसा गया, जिसे आवारा कुत्ते पहले ही जूठा कर चुके थे। बच्चों ने जब इसकी शिकायत अभिभावकों से की तो स्कूल समिति की बैठक हुई और दबाव में आकर छात्रों को एंटी-रेबीज वैक्सीन दी गई। घटना के बाद प्रभावित बच्चों को रेबीज रोधी टीके की तीन खुराकें दी जा चुकी हैं। अब इस मामले में हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।

अब सरकार को देनी होगी प्रभावित बच्चों को राशि

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बिभु दत्ता गुरु की खंडपीठ ने अपने आदेश में लापरवाही के लिए सरकार को फटकार लगाई। हाईकोर्ट में पेश जांच रिपोर्ट के मुताबिक, घटना 28 जुलाई को लच्छनपुर गांव के सरकारी माध्यमिक विद्यालय में एक कुत्ते ने स्वयं सहायता समूह की तरफ से तैयार मध्याह्न भोजन को जूठा कर दिया था। छात्रों ने शिक्षकों को इसकी सूचना दी तब उन्होंने खाना न परोसने की सलाह दी। बावजूद स्वयं सहायता समूह ने बच्चों को खाना वितरित किया। इसलिए इस मामले में अब सरकार को सभी प्रभावित बच्चों को 25-25 हजार रुपए देने होंगे।

भिलाई में हत्या : नशे में गवाह को धमकाने पहुंचा था युवक

■ छावनी थाना क्षेत्र का मामला, हत्या के आरोपी पिता-पुत्र गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छावनी थाना अंतर्गत श्याम नगर कैंप-2 में गुरुवार की रात को जेल से जमानत पर छूटे हत्या के आरोपी युवक की हत्या कर दी गई। मोहल्ले में रहने वाले पिता-पुत्र ने मिलकर उसकी हत्या की। घटना गुरुवार रात करीब 7 से 7:30 बजे के बीच की बताई जा रही है। मृतक युवक गवाह को धमकाने चाकू लेकर पहुंचा था और उसी के चाकू से उसकी हत्या कर दी गई। घटना के बाद छावनी पुलिस ने आरोपी पिता पुत्र को गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार श्याम नगर कैंप-2 निवासी सोनू बाबू रेड्डी (26) की मोहल्ले के ही सुधाकर मोहरे व धन्ना मोहरे ने मिलकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार सोनू ने पांच साल पहले मोहल्ले में आपसी रंजिश के बाद एक युवक की हत्या कर दी थी। इस मामले में सुधाकर मोहरे की पत्नी की गवाही पर सोनू को सजा हुई थी। जेल में सजा काट रहा सोनू आठ माह पहले ही जमानत पर छूटा था। बताया जा रहा है

जमानत पर बाहर आने के बाद से ही सोनू गवाही देने वाली सुधाकर की पत्नी व उसके परिवार से रंजिश रख रहा था। इसी वजह से वह गुरुवार को विवाद करने पहुंचा था।

विवाद के बाद पिता-पुत्र ने मिलकर की हत्या

बताया जा रहा है कि गुरुवार को सुधाकर के बेटे धन्ना साथ सोनू का विवाद हुआ था। इसके बाद रात को वह शराब के नशे में सुधाकर के घर पहुंचा और विवाद करने लगा। इस दौरान बाप-बेटे से कहासुनी हो गई, जो कि हाथापाई में बदल गई। सोनू सुधाकर के घर पर चाकू लेकर गया था लेकिन झूमा झटकी के दौरान चाकू हाथ से छूट गया। मौके का फायदा उठाकर बाप-बेटे ने चाकू उठाया और सोनू पर ताबड़तोड़ वार कर दिया। इससे सोनू की मौके पर ही मौत हो गई। हत्या की सूचना मिलते ही छावनी पुलिस मौके पर पहुंची और सुधाकर व धन्ना को हिरासत में लिया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सुपेला शास्त्री अस्पताल भिजवाया गया।

गवाह को डराने गया था और खुद हो गया शिकार

इस मामले में सीएसपी छावनी हेम प्रकाश नायक ने बताया कि सोनू आपराधिक प्रवृत्ति का था। वह पहले भी कई आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। हाल ही में हत्या के मामले में जेल से बाहर आया था। शुरुआती जांच में सामने आया है कि वह गवाह को डराने के लिए गया था, और इस दौरान चाकू लेकर धमका रहा था। इस बीच विवाद हुआ और पिता-पुत्र ने उसे उसके ही चाकू से मार दिया। गवाह को मारने गया लेकिन खुद ही वारदात का शिकार हो गया।

राजभवन परिसर में चला सफाई अभियान

रायपुर। स्वच्छ भारत अभियान के तहत शुक्रवार की सुबह राजभवन परिसर में साफ-सफाई की गई। राजभवन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सुबह 7 से 8 बजे तक राजभवन परिसर के अलग-अलग स्थानों पर झाड़ू लगाकर कचड़े को एकत्र कर उसका निपटान किया।

जब एक पक्ष ढीठ हो तो उपाय क्या है?

श्रीकंचनपथ

एक तरफ निर्वाचित राज्य सरकारें हैं तो दूसरी तरफराष्ट्रपति द्वारा नियुक्त प्रतिनिधि। दोनों की अपनी-अपनी शक्तियां हैं और अपनी-अपनी मर्यादायें। पर जब इनमें से कोई भी एक पक्ष ढीठ हो जाए तो क्या किया जाए? यह ठीक वैसा ही है जैसे वैवाहिक विवादों की सूरत में वर-वधु तथा परिजनों की मध्यस्थता। बातों की गुंजाइश तो होती है पर जब कोई एक पक्ष एजेंडा लेकर बैठ जाए तो अक्सर इसका कोई हल बातचीत द्वारा नहीं निकल पाता। अंततः बात अदालतों तक पहुंच ही जाती हैं। कुछ ऐसा ही हो रहा था पिछले कुछ सालों से। राज्यपाल एक निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने में चूक रहे थे। इसकी वजह से राज्य की सरकारों को अपनी योजनाओं के क्रियान्वयन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। लोकतंत्र में कोई भी निर्वाचित सरकार एक एजेंडा के साथ सत्ता में आती है। मतदाता इसी के आधार पर सरकारों को चुनते हैं। जनता का फैसला सही था या गलत इसका फैसला करने का अधिकार किसी एक व्यक्ति को नहीं दिया जा सकता। किसी भी निर्वाचित सरकार के पास योजनाओं को लागू करने के लिए असीमित वक्त नहीं होता। पांच साल के कार्यकाल का पहला साल तो योजना बनाने में ही निकल जाता है। इसके बाद इसे विधानसभा में पारित करवाना होता है। पारित हो गया तो इसे लागू करने के लिए राज्यपाल को भेजा जाता है। राज्यपाल अगर सहमत नहीं होते तो उन्हें पूरा अधिकार है कि वे राज्य शासन को चर्चा के लिए आमंत्रित करे या फिर अपनी टिप्पणी के साथ उसे सरकार को लौटा दे। सरकार को भी पूरा अधिकार है कि वह विधेयक को रोकने के कारणों पर सवाल खड़ा करे। पर अगर बातचीत का सिलसिला यहीं दम तोड़ दे तो सरकार के पास ज्यादा विकल्प नहीं रह जाते। यही कारण है कि देश की सर्वोच्च अदालत को इसमें हस्तक्षेप करना पड़ा। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि निर्वाचित सरकारें राज्यपालों की मर्जी पर नहीं चल सकतीं। संविधान के अनुसार राज्यपाल के पास चार विकल्प होते हैं- बिल को मंजूरी देना, मंजूरी रोकना, राष्ट्रपति के पास भेजना या विधानसभा को पुनर्विचार के लिए लौटाना। लेकिन अगर विधानसभा दोबारा वही बिल पास करके भेजती है, तो राज्यपाल को उसे मंजूरी देनी ही होगी। यही कारण है कि राज्यपाल विधेयकों पर विचार करने के बजाय उसे ठंडे बस्ते में डाल देते हैं। सालीसिटर जनरल तुषार मेहता भी सही कहते हैं कि अगर राज्यपाल विधेयकों पर विचार नहीं कर रहे हैं, तो राजनीतिक समाधान हैं। ऐसे कई उदाहरण हैं जहां मुख्यमंत्री राज्यपाल से मिलते हैं, प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति से मिलते हैं और समाधान निकल आता है। दशकों से, विवादों को सुलझाने के लिए यही प्रथा अपनाई जाती रही है। राज्यपाल के लिए समय-सीमा तय करने वाला कानून बनाने के लिए राज्य केवल अनुरोध कर सकते है, अदालत के जरिए ऐसा नहीं किया जा सकता। कैसे कहें कि वक्त बदल चुका है?

संपादकीय

संस्थान की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए महिलाएं

शिक्षण संस्थान केवल पढ़ाई-लिखाई की जगह नहीं होते, बल्कि समाज का आईना और भविष्य का निर्माण स्थल होते हैं। यहां का वातावरण सीधे तौर पर बच्चों की सोच, शिक्षकों की प्रेरणा और पूरे संस्थान की प्रतिष्ठा को प्रभावित करता है। एक स्वस्थ और सम्मानजनक कार्यस्थल कोई विलासिता नहीं, बल्कि बुनियादी आवश्यकता है। विशेष रूप से महिला शिक्षिकाओं और महिला कर्मचारियों के लिए यह सुनिश्चित करना कि वे अपने कार्यस्थल पर सुरक्षित और सम्मानित महसूस करें, किसी भी संस्थान की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

हाल के वर्षों में कई घटनाएं सामने आई हैं, जहां महिला शिक्षिकाओं ने अपने ही सहयोगियों या वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किए गए अनुचित व्यवहार, अशोभनीय संदेश और निजी तौर पर अनुचित हरकतों की शिकायत की है। देशभर से समय-समय पर ऐसी खबरें आती रही हैं- कभी खाली पीरियड में एकांत में लंबी बातचीत, कभी व्यक्तिगत नंबर पर अनावश्यक और निजी संदेश, कभी नजर और शब्दों से अपमानजनक संकेत, तो कभी काम में मदद या पदोन्नित के बदले अनुचित मांग। ये सब केवल व्यक्तिगत आचरण की गड़बड़ी नहीं हैं, बल्कि कार्यस्थल की गरिमा और सुरक्षा को तोड़ने वाली गंभीर प्रवृत्तियां हैं। ऐसी घटनाएं केवल एक महिला के मानसिक स्वास्थ्य को चोट नहीं पहुंचातीं, बल्कि पूरे वातावरण को विषैला बना देती हैं। असुरक्षा का भाव महिला शिक्षिकाओं के आत्मविास को कमजोर करता है।

> **महिलाओं की कार्यस्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारत में यौन उत्पीड़न (कार्यस्थल पर) अधिनियम, 2013 यानी 'पॉश अधिनियम' लागू है। इसके तहत प्रत्येक संस्थान में आंतरिक शिकायत समिति का गठन अनिवार्य है, जिसकी अध्यक्ष महिला हो और आधे से अधिक सदस्य महिलाएं हों। शिकायत दर्ज होने पर सात कार्य दिवस में प्रारंभिक सुनवाई और नब्बे दिनों में जांच पूरी करनी होती है। दोषी पाए जाने पर प्रशासनिक और अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। शिकायतकर्ता के साथ किसी भी प्रकार के प्रतिशोध को रोकना भी संस्थान की जिम्मेदारी है। दुर्भाग्य से, अनेक स्थानों पर यह समिति केवल कागजों में ही सीमित रहती है।**

समाधान केवल सजा देने में नहीं, बल्कि रोकथाम में है। इसके लिए कुछ बुनियादी कदम हर शैक्षणिक संस्थान में तुरंत लागू किए जाने चाहिए। महिला शिक्षिकाओं के लिए अलग और सुरक्षित स्टाफ रूम होना चाहिए, ताकि वे अपने कार्य से जुड़ी चर्चाएं और आवश्यक बातचीत आराम से कर सकें। महिला कर्मचारियों और छात्राओं के लिए अलग, स्वच्छ और सुरक्षित शौचालय की व्यवस्था हो। परिसर के प्रमुख स्थानों, गलियारों, प्रवेश-द्वारों, खेल के मैदान और कॉमन एरिया में उच्च गुणवत्ता वाले कैमरे लगाए जाएं और वे हमेशा सक्रिय रहें। फुटेज को कम से कम नब्बे दिनों तक सुरक्षित रखा जाए और केवल अधिकृत व्यक्तियों को ही उसकी पहुंच हो।

खाली पीरियड में महिला और पुरुष शिक्षक अपने-अपने स्टाफ रूम में ही रहें। बिना किसी औपचारिक कार्य के, एकांत में लंबे समय तक बैठना या बातचीत करना प्रतिबंधित हो। शिक्षकों और सहकर्मियों के बीच निजी संदेश केवल कार्य संबंधी हों और वह भी कार्य समय में ही भेजे जाएं। संस्थान में ऐसा गोपनीय तंत्र हो जहां पीड़ित बिना डर और शर्म के शिकायत दर्ज करा सके। यह ऑनलाइन पोर्टल, सीलबंद शिकायत बॉक्स या हेल्पलाइन नंबर के रूप में हो सकता है। शिकायत आने पर तुरंत जांच हो, आरोपी और पीड़ित को अलग किया जाए और दोषी पाए जाने पर बिना देरी कड़ी कार्रवाई की जाए। शिकायतकर्ता की गोपनीयता की रक्षा संस्थान की सर्वोच्च जिम्मेदारी होनी चाहिए। महिला सुरक्षा केवल कानूनी या प्रशासनिक मामला नहीं है, यह सामाजिक सोच का भी मुद्दा है। हमें अपने बच्चों को यह सिखाना होगा कि कार्यस्थल पर सम्मान, मर्यादा और सीमाएं क्या होती हैं। स्कूलों में लैंगिक संवेदनशीलता और आत्मसम्मान पर आधारित विशेष कक्षाएं शुरू की जानी चाहिए।

समाज को यह समझना होगा कि महिला सुरक्षा किसी एक वर्ग का मुद्दा नहीं, बल्कि पूरे समाज और देश की गरिमा का प्रश्न है। सुरक्षित कैंपस और सम्मानजनक कार्यस्थल कोई आदशर्वादी कल्पना नहीं, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता और संस्थान की विसनीयता का आधार है। यह केवल महिला का मुद्दा नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति का मुद्दा है जो अपने कार्यस्थल को गरिमा और मर्यादा से भरपूर देखना चाहता है। अगर हम अब भी चुप रहे तो अगली घटना का इंतजार करना पड़ेगा और तब तक किसी का आत्मविश्वास, किसी का करियर और किसी की जिंदगी बर्बाद हो चुकी होगी। अब समय है चुप्पी तोड़ने का-नियम बनाने का, उन्हें कड़ाई से लागू करने का और हर शैक्षणिक संस्थान को सचमुच सुरक्षित और सम्मानजनक कार्यस्थल बनाने का। यह हर शिक्षक, हर कर्मचारी, हर छात्र और पूरे समाज की जिम्मेदारी है। तभी हम आने वाली पीढ़ी को न केवल किताबों का ज्ञान, बल्कि जीवन की सबसे बड़ी सीख-सम्मान और सुरक्षा-भी दे पाएंगे।

माखनलालजी का समाचारपत्र 'कर्मवीर' बना अनूठा शिलालेख

लोकेन्द्र सिंह राजपूत, सहायक प्राध्यापक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल (मध्यप्रदेश)

प्रतिमा दादा माखनलाल चतुर्वेदी की है, इसलिए उनके ही समाचारपत्र 'कर्मवीर' को शिलालेख बनाया गया है। हम सब जानते हैं कि माखनलालजी और कर्मवीर एक-दूसरे के पर्याय हैं। इस शिलालेख पर क्रांतिकारी समाचार पत्र 'कर्मवीर' का पंजीयन क्रमांक- एन.338 भी अंकित है।

स्मारक, भवन, परिसर इत्यादि के भूमिपूजन या उद्घाटन प्रसंग पर पत्थर लगाने (शिलालेख) की परंपरा का निर्वहन किया जाता है। यह इस बात का दस्तावेज होता है कि वास्तु का भूमिपूजन/ उद्घाटन / लोकार्पण कब और किसके द्वारा सम्पन्न किया गया। ये शिलालेख एक प्रकार से इतिहास और महत्वपूर्ण घटनाओं के विवरण को समझने में सहायता करते हैं। इन शिलालेखों का एक तयशुदा प्रारूप है, हम सबने देखे ही हैं। किंतु, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के नवीन परिसर में स्वतंत्रतासेनानी एवं प्रखर संपादक पंडित माखनलाल चतुर्वेदी की प्रतिमा अनावरण के प्रसंग पर लगाया गया शिलालेख अनूठा है और अपने आप में अद्भुत है। मुझे विश्वास है कि ऐसा शिलालेख आपने पहले नहीं देखा होगा। माखनलालजी की प्रतिमा के 'पेडस्टल' पर आपको समाचारपत्र का प्रथम पृष्ठ चस्पा दिखायी देगा। दरअसल, समाचारपत्र का यह 'फ्रंट पेज' ही दादा माखनलाल चतुर्वेदी की इस प्रतिमा का 'शिलालेख' है। यह रचनात्मक और अभिनव शिलालेख अपने सृजनात्मक लेखन के लिए पहचाने जानेवाले विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी की सुंदर कल्पना है। अगर आप माखनलालजी की प्रतिमा के समीप आ रहे हैं, तो यह शिलालेख आपको विश्वविद्यालय की 35 वर्ष की यात्रा, उसकी उपलब्धियों और भविष्य के स्वप्नों से भेंट करा देगा।

प्रतिमा दादा माखनलाल चतुर्वेदी की है, इसलिए उनके ही समाचारपत्र 'कर्मवीर' को शिलालेख बनाया गया है। हम सब जानते हैं कि माखनलालजी और कर्मवीर एक-दूसरे के पर्याय हैं। इस शिलालेख पर क्रांतिकारी समाचार पत्र 'कर्मवीर' का पंजीयन क्रमांक- एन.338 भी अंकित है। दादा माखनलाल चतुर्वेदी जब कर्मवीर के प्रकाशन के लिए अनुमति पत्र प्राप्त करने ब्रिटिश शासन के अधिकारी के पास गए थे, उसका रोचक किस्सा है। उस किस्से को आप पढ़िए। वह किस्सा बताता है कि दादा माखनलाल चतुर्वेदी और कर्मवीर की पत्रकारिता के तेवर क्या रहे होंगे। इस शिलालेख पर वह सब विवरण बहुत ही रोचक अंदाज में दर्ज है, जो सामान्य शिलालेखों पर दर्ज रहता है। प्रतिमा का अनावरण कब हुआ? इस प्रश्न का उत्तर आपको समाचारपत्र की 'फोलिया लाइन' में मिलेगा, जिसमें अंकित है- बिशनखेड़ी, भोपाल 7 भाद्रपद, कृष्ण पक्ष, द्वादशी सम्वत 2082 7 बुधवार, 20 अगस्त, 2025। आठ कॉलम में फैली 'टॉप बॉक्स न्यूज' में आपको पता चलेगा कि प्रतिमा का अनावरण विश्वविद्यालय की महापरिषद के अध्यक्ष एवं मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रसिद्ध कवि डॉ. कुमार विश्वास और कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी के द्वारा किया गया। इनके अतिरिक्त स्थानीय विधायक भगवानदास सबनानी, आयुक्त जनसंपर्क डॉ. सुदाम खाड़े, इंदौर लिटरेचर फेस्टीवल के सूत्रधार प्रवीण शर्मा, शब्दवेत्ता अजीत वडनेरकर, वानिकी विशेषज्ञ डॉ. सुदेश वाघमारे सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। यह लीड न्यूज स्वयं कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने ही लिखी है।

शिलालेख पर प्रतिमा की विशेषताएं भी दर्ज है। जैसे- बहुधातु से निर्मित दादा माखनलाल चतुर्वेदी की यह प्रतिमा 12 फीट ऊंची और 11 सौ किलोग्राम वजनी है। इतना ही नहीं, यह शिलालेख विश्वविद्यालय की 35 वर्ष की गौरवशाली परंपरा से भी परिचय कराता है। साथ ही, पंडित माखनलाल चतुर्वेदी के उस 'विचार बीज' का स्मरण भी कराता है, जो विश्वविद्यालय की नींव में है। दक्ष पत्रकारों के निर्माण के लिए एक विद्यापीठ की मूल कल्पना माखनलालजी ने ही की थी, जो 1990 में जाकर माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के रूप में साकार हुई। भोपाल में त्रिलंगा स्थित छोटे-से भवन से शुरू हुई यह यात्रा महाराण प्रताप नगर में स्थित विकास भवन से होकर दो वर्ष पूर्व ही बिशनखेड़ी स्थित 50 एकड़ के परिसर में पहुँच गई है। यह शिलालेख बताता है कि विश्वविद्यालय से दीक्षित होकर निकले विद्यार्थी देश के प्रत्येक मीडिया संस्थान में चमक रहे हैं। पत्रकारिता विभाग से शुरू हुए विश्वविद्यालय में आज 10 शैक्षणिक विभाग हैं। प्रत्येक विभाग की यात्रा और उनके मील के पत्थरों की कहानी भी यह शिलालेख कहता है।

एक और विशेष बात है कि जिस 'पेडस्टल' दादा माखनलाल चतुर्वेदी सुशोभित हैं, उसके चारों और महान विचारों को स्थान दिया गया है। एक वक्तव्य- 'जन्मभूमि का सम्मान', महात्मा गांधीजी का है, जिसमें वह बता रहे हैं कि माखनलालजी के जन्मस्थान 'बाबई' (अब माखननगर) क्यों जा रहे हैं? गांधीजी कहते हैं कि जिस भूमि ने माखनलालजी को जन्म दिया, उसी भूमि को मैं सम्मान देना चाहता हूँ। दूसरा वक्तव्य- एक कविता 'जियो सदा माई के लाल' के रूप में राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त का है। यह कविता उन्होंने माखनलालजी के जन्मदिन के प्रसंग पर लिखी थीं। तीसरा वक्तव्य- 'लिखना माखनलालजी से सीखा' फिराक गोरखपुरी का है, जिसमें वह कह रहे हैं- उनके लेखों को पढ़ते समय ऐसा मालूम होता था कि आदि-शक्ति शब्दों के रूप में अवतरित हो रही है या गंगा स्वर्ग से उतर रही है।

नि:संदेह, यह अनूठा शिलालेख माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्याल को एक अलग पहचान देगा। यह विद्यार्थियों को भी कल्पनाशील एवं सृजनशील होने के लिए प्रोत्साहित करेगा। यह रचनाधर्मिता ही पत्रकारिता का गुणधर्म है। यही अर्जित करने के लिए हम सब देश के अलग-अलग हिस्सों से यहाँ एकत्र आए हैं।

भविष्य में सिगरेट और स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा

एक नई वैश्विक रिपोर्ट में सामने आया है कि ई-सिगरेट (वेपिंग) का इस्तेमाल करने वाले युवा आगे चलकर सिगरेट पीना शुरू कर देते हैं और उन्हें कई तरह की शारीरिक और मानसिक बीमारियों का खतरा भी होता है। यह रिपोर्ट यूनिवर्सिटी ऑफयॉर्क और लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन के शोधकर्ताओं ने मिलकर तैयार की है। इसमें 56 अलग-अलग शोध समीक्षाओं को शामिल किया गया, जो कुल मिलाकर 384 स्टडीज पर आधारित हैं। इन स्टडीज में दुनिया के अलग-अलग देशों से जुड़े आंकड़ों का विश्लेषण किया गया।

रिपोर्ट में 21 स्टडीज खासतौर पर इस बात की जांच करती हैं कि क्या ई-सिगरेट पीने वाले युवा बाद में सिगरेट की लत का शिकार होते हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि यह संबंध काफी मजबूत और साफ दिखता है। टोबैको कंट्रोल पत्रिका में हाल ही में प्रकाशित निष्कर्षों में, शोधकर्ताओं ने इसे 'चौंकाने वाला पैटर्न' करार दिया। शोधकर्ताओं के मुताबिक, जो युवा ई-सिगरेट का इस्तेमाल करते हैं, वे भविष्य में केवल सिगरेट पीना शुरू ही नहीं करते, बल्कि वे ज्यादा बार और ज्यादा मात्रा में सिगरेट पीते हैं। ये नतीजे कई बार दोहराए गए हैं।

सिर्फ सिगरेट की लत ही नहीं, ई-सिगरेट से स्वास्थ्य पर भी गंभीर असर पड़ सकता है। रिपोर्ट में बताया गया कि वेपिंग करने वाले युवाओं को सांस संबंधी बीमारियां जैसे अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और निमोनिया होने की संभावना ज्यादा होती है। इसके अलावा, अल्कोहल और गांजा जैसे नशों की ओर भी उनका झुकाव बढ़ सकता है। शारीरिक असर के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य पर भी वेपिंग का बुरा प्रभाव देखा गया। शोध में बताया गया कि इन युवाओं में सिर दर्द, चक्कर आना, माइग्रेन, शुक्राणु की संख्या में कमी, डिप्रेशन, और यहां तक कि आत्महत्या के विचार भी देखे गए हैं। इस रिपोर्ट के प्रकाशित होने के साथ ही ब्रिटेन सरकार ने जून महीने से डिस्पोजेबल वाइप्स की बिक्री पर रोक लगा दी है, चाहे उनमें निकोटीन हो या नहीं। यह कदम बच्चों में बढ़ती वेपिंग की लत को रोकने के लिए उठाया गया है। ब्रिटेन की नेशनल हेल्थ सर्विस (एनएचएस) के आंकड़ों के मुताबिक, 11 से 15 साल के करीब 25 प्रतिशत बच्चों ने कम से कम एक बार वेपिंग की है, और लगभग 10 प्रतिशत बच्चे नियमित रूप से इसका इस्तेमाल करते हैं।

इस बीच, यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन (यूसीएल) की एक और स्टडी में पाया गया कि इंग्लैंड में 2013 से 2023 के बीच लंबे समय तक वेपिंग करने वालों की संख्या तेजी से बढ़ी है। खासकर 18 साल की उम्र के युवाओं में यह आदत तेजी से फैली है। आंकड़ों के अनुसार, 18 साल के 22.7 प्रतिशत लोग लंबे समय से वेपिंग कर रहे हैं, जबकि 65 साल की उम्र में यह संख्या सिर्फ4.3 प्रतिशत है। यह भी देखा गया कि अधिकतर वेपिंग करने वाले लोग पहले सिगरेट पी चुके होते हैं, लेकिन अब ऐसे लोग भी वेपिंग की ओर बढ़ रहे हैं जिन्होंने पहले कभी सिगरेट नहीं पी थी। एनएचएस के मुताबिक, ई-सिगरेट सिगरेट छोड़ने में मदद कर सकती है, लेकिन यह पूरी तरह से सुरक्षित नहीं है। इसलिए लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है, खासकर युवाओं को।

असहनीय सीमा तक पहुंची समस्या

आवारा पशुओं के मामले में न्यायपालिका को दखल देना पड़ा है, तो जाहिर है कि समस्या ऐसी असहनीय सीमा तक पहुंच गई है, जब इस पर गंभीरता से ध्यान देना होगा। वरना, भविष्य में लोगों को इसकी और महंगी कीमत चुकानी पड़ेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के नगरपालिका अधिकारियों को आदेश दिया है कि वे आठ हफ्तों के अंदर राष्ट्रीय राजधानी की सड़कों से अवारा कुत्तों को हटाएं। कोर्ट ने इन कुत्तों के लिए खास शेल्टर बनाने का निर्देश दिया है। उधर राजस्थान हाई कोर्ट ने आवारा कुत्तों एवं अन्य पशुओं को सड़कों से हटाने का आदेश नगर निकायों को दिया है। हाई कोर्ट ने कहा कि इस काम में कोई रुकावट डालता है, तो नगर निकाय अधिकारी एफआईआर दर्ज कराने जैसे कानूनी कदम उठा सकते हैँ। इन दोनों आदेशों के तर्क को समझा जा सकता है। आवारा कुत्तों के हमलों में हाल में अनेक जानें गई हैँ। 2024 में देश भर में आवारा कुत्तों के काटने के 37 लाख मामले दर्ज हुए। यह इस समस्या का सही आईना नहीं है, क्योंकि आम तौर पर ऐसी घटनाओं को लेकर लोग पुलिस के पास नहीं जाते।

दिल्ली में आवारा कुत्तों के हमले में एक बच्चे की दर्दनाक मौत से आहत सुप्रीम कोर्ट ने अपनी तरफ से इस मामले का संज्ञान लेते हुए उपरोक्त आदेश दिया है। इस बीच हाल के वर्षों में एक्सप्रेस-वेज से लेकर गली-मोहल्लों तक की सड़कों पर आवारा पशुओं का विचरण बड़ी समस्या बन चुका है। इन पशुओं के कारण सड़क हादसों की खबर अक्सर आती है। इसलिए कहा जाएगा कि न्यायपालिका ने वाजिब हस्तक्षेप किया है। मगर क्या इस हस्तक्षेप से इस समस्या से सचमुच राहत मिल पाएगी ये सवाल इसलिए उठता है, क्योंकि आखिर नगर प्रशासन आवारा कुत्तों का क्या करेगा

बताया जाता है कि दिल्ली में चार से आठ लाख तक आवारा कुत्ते हैं। उनके लिए हजारों शेल्टर बनाने होंगे। उसके लिए जमीन और धन कहां से आएंगे फिर आवारा पशुओं की बढ़ती संख्या के पीछे सशक्त राजनीतिक कारण हैं। उस राजनीति के कर्ता-धर्ता न्यायपालिका की भावना समझेंगे, इसकी संभावना बहुत उज्ज्वल नहीं है। बहरहाल, इन मसलों पर न्यायपालिका को दखल देना पड़ा है, तो उससे जाहिर है कि ये समस्या ऐसी असहनीय सीमा तक पहुंच गई है, जब इस पर सबको गंभीरता से ध्यान देना होगा। वरना, भविष्य में लोगों को इसकी और भी महंगी कीमत चुकानी होगी।

उपराष्ट्रपति चुनाव को राष्ट्रवाद बनाम धर्मनिरपेक्षता की सियासी लड़ाई बनाने के रणनीतिक मायने

कमलेश पांडे

बताया जाता है कि रेड्डी का नाम कांग्रेस शासित तेलंगाना की सोशल इंजीनियरिंग से भी जुड़ा रहा है। वहां की सरकार ने सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, रोजगार, राजनीतिक और जातिगत सर्वेक्षण के डेटा के विश्लेषण के लिए जिस पैनल का गठन किया था, उसकी अगुआई रेड्डी ने ही की है।

उपराष्ट्रपति पद के लिए अब एनडीए और इंडिया ब्लॉक दोनों तरफ से उम्मीदवारों का ऐलान हो चुका है। एनडीए ने जहां महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को अपना उम्मीदवार बनाया है, वहीं उनसे मुकाबले के लिए इंडिया ब्लॉक ने सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज बी. सुदर्शन रेड्डी को चुनाव मैदान में उतारा है। इस प्रकार एक तरफ जहां मोदी ने एनडीए उम्मीदवार की तारीफ करते हुए कहा है कि राधाकृष्णन सियासी खेल नहीं करते हैं, बल्कि सुलझे हुए राजनेता हैं। वहीं, दूसरी तरफ विपक्ष ने इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार रेड्डी को गैरराजनीतिक चेहरा बताते हुए कहा है कि मौजूदा चुनाव विचारधारा (संघ बनाम प्रगतिशील) की लड़ाई है। साधारण भाषा में कहें तो उपराष्ट्रपति चुनाव को भी राष्ट्रवाद बनाम धर्मनिरपेक्षता की सियासी लड़ाई का नया अखाड़ा बना दिया गया है, जिसके रणनीतिक मायने भी दिलचस्प हैं।

यूँ तो संख्या बल में एनडीए यानी सत्ता पक्ष का पलड़ा भारी है, लेकिन यह लड़ाई आंकड़ों से ज्यादा प्रतीकात्मक प्रतीत होता है। देखा जाए तो अपने-अपने सियासी अहम के सवाल पर विभाजित विपक्ष ने भी पुन: एकजुटता प्रदर्शित करते हुए एक मजबूत प्रत्याशी उतारकर सत्तापक्ष को यह संदेश देने का प्रयास किया है कि वह किसी मोर्चे पर सरकार को फ्री हैंड नहीं देने जा रहा है। उसके इस कदम से विपक्ष को फायदा हो या न हो, लेकिन एनडीए में शामिल दलों की पूछ परख बढ़ जाएगी। वहीं, किसी भी सहयोगी ने यदि थोड़ा सा घात कर दिया तो फिर सत्ता पक्ष की किरकिरी भी हो सकती है।

यही वजह है कि मौजूदा उपराष्ट्रपति चुनाव के दृष्टिगत कतिपय सवाल खड़े हो रहे हैं- खासकर उम्मीदवार चयन को लेकर। सर्वप्रथम तो यह कि जिस तरह से दोनों केंद्रीय सियासी गठबंधनों ने अपने-अपने उम्मीदवार के नाम दक्षिण भारत से दिए हैं, उससे भी उत्तर भारत के राजनेता ठगे रह गए हैं। उल्लेखनीय है कि सर्वसम्मति से एनडीए कैंडिडेट बने राधाकृष्णन तमिलनाडु से आते हैं, जबकि सुदर्शन रेड्डी तेलंगाना (पुराने आंध्रप्रदेश) से। लिहाजा, दोनों चेहरों का दक्षिण भारत से होना महज सियासी संयोग नहीं हो सकता, बल्कि इसके पीछे दोनों प्रतिस्पर्धी राजनीतिक गठबंधनों की कोई सुनियोजित राजनीतिक योजना है और इसी वजह से यह चुनाव और भी अधिक दिलचस्प हो जाता है।

दूसरा, विपक्षी दल एनडीए उम्मीदवार राधाकृष्णन और इंडिया ब्लॉक उम्मीदवार रेड्डी की लड़ाई को विचारधारा यानी धर्मनिरपेक्षता की लड़ाई बता रहे हैं। क्योंकि उनका कहना है कि जब एनडीए संघ के आदमी पर भरोसा कर रहा है तो वो एक प्रोग्रेसिव विचारधारा यानी धर्मनिरपेक्ष उम्मीदवार को सामने रख रहे हैं। जिस तरह से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गठबंधन के सभी दलों के प्रतिनिधियों के साथ मंच से एक संक्षिप्त से नोट पढ़कर इंडिया ब्लॉक के उपराष्ट्रपति उम्मीदवार रेड्डी के नाम का ऐलान किया, वह खासा अहम है।

जैसा कि खरगे ने कहा है कि सभी दलों ने सर्वसम्मति से रेड्डी की उम्मीदवारी पर मुहर लगाई है। यह विपक्षी एकता के लिहाज से लोकतंत्र के लिए एक बड़ा क्षण है। लिहाजा, उन्होंने रेड्डी को राजनीतिक न्याय का चैंपियन करार दिया। जबकि मंच से ही टीएमसी के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि इस फैसले में आम आदमी पार्टी भी ब्लॉक के साथ है। बताया गया है कि इंडिया ब्लॉक के अंदर सभी दलों के साथ इस मसले पर गत सोमवार और मंगलवार सुबह अनौपचारिक बातचीत हुई थी।

दरअसल, इस पूरी प्रक्रिया में चार-पांच नामों को लेकर सोमवार को चर्चा भी हुई, पर वह किसी ना किसी वजह से पूरे मापदंड पर खरे नहीं उतर पा रहे थे। इसी दौरान भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व निदेशक और तमिलनाडु से आने वाले माइलस्वामी अन्नादुरई और सामाजिक कार्यकर्ता तुषार गांधी के नामों पर चर्चा की। जब इन अहम नामों पर भी आम सहमति नहीं बन पाई, तब मंगलवार दोपहर को खरगे की ओर से सभी घटकों के नुमाइंदों के सामने रेड्डी का नाम सामने रखा गया, जिस पर किसी की ओर से आपत्ति नहीं जताई गई।

बताया जाता है कि रेड्डी का नाम कांग्रेस शासित तेलंगाना की सोशल इंजीनियरिंग से भी जुड़ा रहा है। वहां की सरकार ने सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, रोजगार, राजनीतिक और जातिगत सर्वेक्षण के डेटा के विश्लेषण के लिए जिस पैनल का गठन किया था, उसकी अगुआई रेड्डी ने ही की है। वहीं, टीएमसी जैसे दलों की ओर से यह साफ कर दिया गया था कि इंडिया ब्लॉक की ओर से उम्मीदवारी में जो भी व्यक्ति सामने आए, वह गैर राजनीतिक हो। इसलिए रेड्डी के नाम पर आम सहमति बन गई।

बताया जाता है कि टीएमसी नेत्री व पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तमिलनाडु के नेता स्टालिन से कहा था कि चुनाव को तमिलनाडु बनाम तमिलनाडु बनाने का अच्छा संकेत नहीं जाएगा। फिर बात आई कि बिहार या उत्तर प्रदेश के किसी व्यक्ति को चुना जाए। इस पर कहा गया कि इसे बीजेपी दक्षिण में भुना लेगी। फिर छोटे राजनीतिक नाम से भी परहेज करने पर सहमति बनी। तब सबमें सहमति जस्टिस सुदर्शन रेड्डी के नाम पर हुई। इससे कांग्रेस को लगता है कि वह इस नाम को पेश कर आंध प्रदेश में भी अपनी साख जमा सकती है।

चूंकि, विपक्ष गठबंधन की दक्षिणी राज्यों के दलों पर भी नजर है। विपक्ष के एक नेता ने कहा भी है कि उन्हें उम्मीद है कि वाईआरसीपी अब अपने रुख पर फिर से विचार करेगा। बता दें कि वाईआरएसीपी ने गत सोमवार को ही घोषणा की है कि वह उपराष्ट्रपति पद के लिए एनडीए के उम्मीदवार राधाकृष्णन का समर्थन करेंगे। इसे विपक्ष राधाकृष्णन की उम्मीदवारी का काउंटर मान रही है, जिसके जरिए एनडीए, डीएमके जैसे दलों को सोच में डालना चाहता है।

तीसरा, बीजेपी नीत एनडीए के लिए दक्षिण भारत में अपनी जड़ें जमाना अब भी मुश्किल भरा कार्य है। चूंकि कर्नाटक में उसकी जमी-जमाई सियासी जड़ें भी सूखती चली गई, इसलिए उसकी राजनीतिक मुश्किलों को समझा जा सकता है। जबकि विपक्ष की सियासत के लिए दक्षिण भारत शुरू से ही एक ऐसा उर्वर राजनीतिक मैदान, रहा है, जहां से उसने भाजपा को सदैव मजबूत चुनौती पेश की है। इसलिए कहा जा सकता है कि जारी उपराष्ट्रपति चुनाव में इस पद के लिए घोषित उम्मीदवार रेड्डी पूर्व निर्धारित सियासी लड़ाई का विस्तारित रूप ही है।

खासकर जिस तरह से एनडीए सहयोगी टीडीपी ने इंडिया ब्लॉक प्रत्याशी राधाकृष्णन के समर्थन का ऐलान किया है, उसका प्रभावी असर भी अब सत्ता पक्ष की रणनीति पर साफ-साफ दिखने भी लगा है और प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्षी दलों से भी उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए प्रत्याशी राधाकृष्णन के लिए सहयोग मांगा है। उनके लिए खुशी की बात यह है कि इंडिया ब्लॉक के डीएमके ने एनडीए प्रत्याशी राधाकृष्णन का समर्थन करने का फैसला किया है।

इसलिए कहा जा रहा है कि उपराष्ट्रपति पद के लिए हो रहा चुनाव दोनों केंद्रीय सियासी गठबंधनों के लिए मौका और चुनौती दोनों लेकर आया है। अगर सौ फीसदी वोटिंग होती है, तो दोनों सदनों में मिलाकर चुनाव में जीत के लिए 394 वोट चाहिए होंगे। जबकि एनडीए के पास 422 का संख्या बल है। चूंकि उपराष्ट्रपति का चुनाव गुप्त मतदान द्वारा होता है और सदस्य पार्टी व्हिप से नहीं बंधे होते हैं। इसलिए सरकार और विपक्ष, दोनों के शक्ति प्रदर्शन के लिए यह मौके के साथ साथ चुनौती भी है।

यही वजह है कि दोनों राजनीतिक गुट की तरफ से अपने अपने समर्थन का दायरा बढ़ाने की कोशिश हो रही है। खासतौर पर दक्षिण से आने वाले क्षेत्रीय दलों पर एनडीए और इंडिया ब्लॉक दोनों की नजरें होंगी। बताया जा रहा है कि मौजूदा उपराष्ट्रपति चुनाव में वैचारिक टकराव भी बढ़ेगा, क्योंकि उपराष्ट्रपति का पद किसी पार्टी का नहीं होता। इसलिए यदि इसकी गरिमा को देखते हुए अगर सर्वसम्मति से किसी को चुना जाता, तो ज्यादा अच्छा रहता।

हालांकि अभी की राजनीतिक परिस्थितियों में ऐसी संभावना दूर-दूर तक नजर नहीं आती है। देश में पिछले कुछ बरसों से जिस तरह का तनातनी भरा राजनीतिक माहौल है, उसमें सत्ता पक्ष और विपक्ष ज्यादातर मौकों पर दो विपरीत ध्रुवों पर नजर आते हैं। वहीं, जिन मामलों में सदन में सहमति की मांग थी, वहां भी सहमति नहीं बल्कि असहमति दिखी। जबकि यह तो चुनाव तय ही था, जहां वैचारिक लड़ाई व उससे निकलने वाला अंजाम दोनों ही महत्वपूर्ण है।

चूंकि उपराष्ट्रपति का पद राज्यसभा के सभापति के दृष्टिगत एक अहम जिम्मेदारी भी समझी जाती है। इसलिए इस पद के इर्द-गिर्द हाल के महीनों में बहुत असाधारण हलचल देखने को मिली है। यही वजह है कि निवर्तमान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ जिन हालात में और जैसे गए, उसे तो कदापि अच्छा नहीं कहा जा सकता है। इसलिए उम्मीद की जाती है कि यह चुनाव बेहतर माहौल में और इस पद के सम्मान को देखते हुए उसके हिसाब से लड़ा जाएगा। जीत जिसकी भी हो, उस पर लोकतात्रिक मूल्यों और संसदीय परंपराओं को आगे ले जाने की अहम जिम्मेदारी होगी। फिर भी यह सवाल मौजूं है कि एक देश, एक चुनाव का नारा देने वाली भाजपा व उसके सहयोगियों ने देश पर यह चुनाव असमय क्यों थोपा?

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

प्राणीशास्त्र विभाग द्वारा शैक्षणिक भ्रमण

दुर्ग। शासकीय वि.वाय.टी.पी.जी. स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छत्तीसगढ़) के प्राणीशास्त्र विभाग के एम.एससी. तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों को जिले के अर्जुंदा स्थित मत्स्य फार्म का भ्रमण कराया गया। इस शैक्षणिक यात्रा का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को मत्स्य पालन की व्यवहारिक जानकारी प्रदान करना था। विद्यार्थियों को मत्स्य प्रजनन, पालन, आहार प्रबंधन, जल गुणवत्ता नियंत्रण तथा मत्स्यों की सामान्य बीमारियों और उनके उपचार के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। मत्स्य फार्म के प्रभारी अधिकारी एवं तकनीकी कर्मचारियों ने मत्स्य बीज उत्पादन की विभिन्न प्रक्रियाओं, हैचरी संचालन तथा विभिन्न प्रजातियों के मत्स्यों की पहचान संबंधी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर मार्गदर्शन दिया। इस दौरान विद्यार्थियों ने लाबियो रोहिता, कतला आदि प्रजातियों का प्रत्यक्ष अवलोकन किया और उनके पालन के लिए आवश्यक तकनीकी पहलुओं को समझा। भ्रमण के दौरान जल परीक्षण, आहार मिश्रण की तैयारी तथा मत्स्यों के स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवहारिक विधियाँ भी प्रदर्शित की गईं। प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने बताया कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण से विद्यार्थियों को पुस्तकात्मक ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक अनुभव भी प्राप्त होता है, जो भविष्य में उनके शोध एवं रोजगारोन्मुखी कौशल को विकसित करने में सहायक होगा।

धान में काई की समस्या एवं निदान

दुर्ग। कृषि विज्ञान केन्द्र, पाहंदा (अ), दुर्ग के वैज्ञानिकों ने धान के खेतों का भ्रमण किया तो यह पाया कि धान में काई की समस्या बहुतायत में बढ़ रही है। काई धान की खेती में आने वाली एक प्रमुख समस्या है, जिसके निदान हेतु प्राय: किसान भाई कोई उपाय नहीं करतें फ्लस्वरूप उपज में कमी आ जाती है। पानी भरे खेत में कंसे निकलने से पहले ही काई का जाल फैल जाता है, जिससे धान के पौधे तिरछे हो जाते है। पौधे में कंसे नही निकल पाते है एक से दो ही कंसे रह जाते है जिससे बालियों की संख्या कम बनती है और अंत में उत्पादन में कमी आ जाती है। सतह पर काई फैल जाने से धान में डाले जाने वाली उर्वरक की मात्रा जमीन तक नहीं पहुंच पाती, जिससे पौधे में पोषक तत्व की कमी के साथ-साथ डाले गए उर्वरक की भी हानि होती है। नीला थोथा (कॉपर सल्फेट) की 500-600 ग्राम मात्रा को अच्छे से पीस कर सूती कपड़े की पोटली बनाकर 5-6 स्थानों पर सामान दूरी में खेत में भरे पानी में रख दें जिससे काई की पर्त फट जाती है। इस प्रकार काई पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव के प्रथम दुर्ग शहर आगमन पर स्वागत-अभिनंदन में उमड़े लोग

कम शिक्षक वाले स्कूलों में की जाएगी नए शिक्षकों की भर्ती- मंत्री गजेन्द्र यादव

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंत्रीमंडल में दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव को केबिनेट मंत्री बनाया गया है। उन्हें मंत्रीमंडल में स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग और विधि-विधायी कार्य विभाग का दायित्व सौंपा गया है। केबिनेट मंत्री बनने के बाद गजेन्द्र यादव का गुरुवार को दुर्ग शहर विधानसभा क्षेत्र में प्रथम नगर आगमन हुआ। वे अपने समर्थकों के काफिले के साथ दोपहर में सर्किट हाउस पहुंचे। यहां उनके स्वागत-अभिनंदन में पहले से प्रतीक्षारत् भाजपा कार्यकर्ताओं और उनके समर्थकों द्वारा जोरदार स्वागत किया गया।

गजेन्द्र यादव जिंदाबाद के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा था। भाजपा कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटी और आतिशबाजी कर केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव का स्वागत किया। केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव के सर्किट हॉउस पहुंचने पर उन्हें जिला प्रशासन द्वारा गॉर्ड ऑफऑनर दिया गया। त्पश्चात पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव अपने समर्थकों के काफिले के साथ जनता के प्रति आभार जताने शहर भ्रमण पर निकले। इस दौरान वे अन्य भाजपा नेताओं के साथ एक खुले जीप पर सवार रहे और केबिनेट मंत्री बनने पर लोगों की बधाई स्वीकारने के साथ उनके प्रति आभार व्यक्त करते भी नजर आए। पटरीपार क्षेत्र से शुरु हुई आभार रैली में श्री यादव के गुरुवार को शहर के विभिन्न स्थानों पर पहुंचे।

जहां सामाजिक, धार्मिक और समाजसेवी संगठनों द्वारा स्वागत-अभिनंदन कर उन्हें केबिनेट मंत्री बनने पर बधाई दी गई। विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा,जिला भाजपा के पूर्व अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा,प्रदेश राईस मिल एसो. अध्यक्ष कांतिलाल बोथरा, चेम्बर दुर्ग जिला अध्यक्ष अनूप गटागट, पूर्व प्रहलाद रुंगटा, सभापति श्याम शर्मा, पूर्व सभापति दिनेश देवांगन,राकेश सेन, गोलू चौरसिया,कमलेश फेकर,संतोष सोनी, भाजपा नेता अजय तिवारी, प्रीतपाल बेलचंदन, राजेन्द्र पाध्ये, राहुल दीवान के अलावा अन्य भाजपा नेता व कार्यकर्ताओं ने केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव को बधाई दी है। आभार रैली के पूर्व सर्किट हॉउस में मीडिया से चर्चा में केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने मंत्री बनने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव, क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल, राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री शिव प्रकाश, पवन साय के अलावा भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने मुझे बड़ी उम्मीद और विश्वास के साथ अपने मंत्रीमंडल में शामिल किया है और स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग व विधि-विधायी कार्य विभाग का महत्वपूर्ण दायित्व दिया है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी और विष्णुदेव साय सरकार के सुशासन कें आधार पर छंत्तीसगढ़ में अच्छे से अच्छा कार्य करुंगा। उन्होने मंत्रीमंडल में मिले अपने विभागों का जिक्र करते हुए कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग मूलभूत आवश्यकताओं से जुड़ा हुआ विभाग है। शिक्षा महत्वपूर्ण होता है।

प्राथमिक,माध्यमिक और हायर सेकंडरी स्कूल की शिक्षा सभी के लिए जरुरी है। यह शिक्षा विद्यार्थियों का बौद्धिक और मानसिक विकास करता है। इसलिए शिक्षा विभाग में पढ़ाई ही प्राथमिकता होगी। अन्य गतिविधियां सेकंडरी होगी।

जिससे शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ेगी। केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव युक्तियुक्तकरण से जुड़े एक सवाल के जवाब में कहा कि मैं भी सरकारी स्कूल में पढ़ा हूं। भाजपा के रमन सरकार के 15 वर्षों में सरकारी स्कूलों में व्यवस्थाओं बरकरार थी। कांग्रेस के पिछले सरकार में नियम विरुद्ध शिक्षकों के ट्रांसफर किए गए है। जिससे गांवों के स्कूल खाली हो गए। पालकों को प्राइवेट स्कूल की ओर रुख करना पड़ा। पहले शहर के स्कलों में बच्चे कम टीचर ज्यादा थे। गांवों में बच्चे ज्यादा टीचर कम थे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने युक्ति युक्तकरण के माध्यम से स्कूलों में टीचर व बच्चों की असमानता को दूर करने का प्रयास किया है।

श्री यादव ने कहा है कि मुख्यमंत्री द्वारा 5 हजार नए शिक्षकों की भर्ती का प्रावधान किया गया है। जिन स्कूलों में शिक्षकों की कमी है। वहां पूरी पारदर्शिता के साथ शिक्षकों की भर्ती की जाएगी। स्कूलों में विषयवार टीचरों की भी पूर्ति की जाएगी। श्री यादव ने कहा कि पिछले कांग्रेस सरकार ने आत्मानंद स्कूल खोले थे। यह स्कूले डीएमएफ फंड के माध्यम से संचालित किए जाते थे, जिससे शिक्षकों को वेतन, आहरण व अन्य आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ता था। इन आत्मानंद स्कूलों को पीएमश्री स्कूलों में शामिल किया गया है। जिससे स्कूलों के अर्थव्यवस्था व अन्य संसाधनों को बल मिलेगा। श्री यादव ने कहा कि पीएमश्री व अन्य स्कूलों में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाई जाएगी।

उन्होने कहा कि एससीईआरटी पाठ्यक्रम अब सरकारी व प्राईवेट स्कूलों में शुरु किए जाएंगे। केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने ग्रामोद्योग विभाग के कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि ग्रामोद्योग पहले पारंपारिक व्यवसाय से चलता था।

गांवों के अर्थव्यवस्था में इसका बड़ा योगदान होता था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लोकल फॉर वोकल को बढ़ावा देने प्रयासरत है। हम अपने उत्पाद का उपभोग और उपयोग में लाएंगे। इस दिशा में ग्रामोद्योग कारगर सिद्ध होगा। गामोद्योग के माध्यम से गांव के युवाओं और महिला समूहों को कार्य में प्राथमिकता दी जाएगी। उन्हें बाजार उपलब्ध करवाया जाएगा। उन्हें अलग-अलग प्रकार के प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगारमूलक बनाया जाएगा।

बेटियों को दी शिक्षण सामग्री, आत्मरक्षा के प्रति जागरूक किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ राज्य के गठन को 25 वर्ष पूर्ण होने पर राज्य शासन इस वर्ष को रजत जयंती वर्ष के रूप में मना रहा है। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा विभिन्न सामाजिक एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इन्हीं गतिविधियों की श्रृंखला में बेटी बचाओङ्कबेटी पढ़ाओ अभियान पर केंद्रित एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन परियोजना भिलाई-1 के सेक्टर खुर्सीपार, जोन-3 में किया गया। इस आयोजन में सामाजिक संगठन गोल्डन एम्पथी (जीई) फाउंडेशन ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई। संस्था द्वारा लगभग 50 किशोरी बालिकाओं को स्टेशनरी सामग्री प्रदान की गई, जिससे उनकी शैक्षणिक आवश्यकताओं में सहयोग मिल सके।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता जीई फ उंडेशन के संयोजक प्रदीप पिल्ले ने बालिकाओं को लिंग समानता, बालिका भ्रूण हत्या की रोकथाम, बाल विवाह के दुष्परिणाम तथा उच्च शिक्षा के महत्व के संबंध में प्रेरक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समाज की प्रगति तभी संभव है जब बेटियों को समान अवसर मिले और वे आत्मनिर्भर बनें। वहीं सुपरवाइजर कंचन महतो ने गुड टच-बैड टच पर जीवंत अभिनय प्रस्तुत किया।

इस माध्यम से उपस्थित बालिकाओं को सुरक्षा और आत्मरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। यह प्रस्तुति बालिकाओं के लिए अत्यंत उपयोगी व प्रभावशाली सिद्ध हुई। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित जन एवं बालिकाओं को बेटी बचाओङ्कबेटी पढ़ाओ की शपथ दिलाई गई और जागरूकता रैली भी निकाली गई, जिसमें क्षेत्रवासियों को अभियान का संदेश दिया गया।

साथ ही, महिला एवं बाल विकास विभाग की पहल पर गंभीर एवं मध्यम कुपोषित बच्चों को प्रोटीन पाउडर वितरित किया गया, जिससे उनके पोषण स्तर में सुधार लाया जा सके। इस कार्यक्रम को सफ्ल बनाने में महिला एवं बाल विकास विभाग की कार्यकर्ता अनीता डाहरे, अनीता सिंह, सीमा चौरसिया, संजू कुमारी, संजू कश्यप, पुष्पा छाबड़ा, माधुरी, संतोषी निर्मलकर, आशा पाठक का सराहनीय योगदान रहा। जीई फाउंडेशन की ओर से प्रकाश देशमुख,विशाखा मनगुडे और अजीत सिंह भी मौजूद थे।-

बीएसपी ने रचा नया कीर्तिमान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र ने 4000 आरपीएम पर चलने वाले रूसी निर्मित सीओ गैस एग्जॉस्टर की अत्यंत जटिल एवं दुर्लभ मरम्मत कार्य को सफ्लतापूर्वक संपन्न कर एक बड़ी तकनीकी उपलब्धि अर्जित की है। मरम्मत किए गए एग्जॉस्टर को विगत दिनों सफ्लतापूर्वक पुन: प्रारम्भ किया गया। इस नवोन्मेषी मरम्मत कार्य ने गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त केसिंग का पुन: उपयोग संभव बनाया, जिससे भारी लागत की बचत हुई और संयंत्र के निर्बाध संचालन को सुनिश्चित किया गया।

इस उपलब्धि को मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (अनुरक्षण एवं उपयोगिताएँ) बिजय कुमार बेहेरा के नेतृत्व में मुख्य महाप्रबंधक (इलेक्ट्रिकल) टी.के. कृष्ण कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (शॉप्स) एच.के. सचदेव, महाप्रबंधक प्रभारी (सीओ सीसीडी/सीआरजी) समीर रॉयचौधरी, महाप्रबंधक (एम/एम सीसीडी, सीओ सीसीडी) पंचानन जेना, महाप्रबंधक (एचएम/इलेक्ट्रिक्स) ए.के. डे, महाप्रबंधक (रिक्लेमेशन शॉप) एस.के. अग्रवाल, महाप्रबंधक (एमएआरएस) जगदीश दशारी, महाप्रबंधक प्रभारी (पीईएम) पी.एस. खोब्रागड़े, महाप्रबंधक राकेश वर्मा, सहायक महाप्रबंधक (पीईएम) विजय सैनी तथा वरिष्ठ प्रबंधक नितिन वर्मा सहित उनकी टीमों के समन्वित प्रयासों एवं तकनीकी दक्षता से संभव बनाया गया। उनके अथक प्रयासों और अंतर-शॉप सहयोग से इस मरम्मत कार्य को समय पर पूरा किया जा सका।

उल्लेखनीय है कि 24 मई 2025 को एग्जॉस्टर में गंभीर खराबी आई थी, जिसके परिणामस्वरूप टॉप एवं बॉटम केसिंग बॉडी एवं फुटिंग्स, इंपेलर फैन तथा गैस डिफ्यूज़र बॉडी जैसी महत्वपूर्ण इकाइयाँ क्षतिग्रस्त हो गई थीं। टॉप एवं बॉटम केसिंग का स्टॉक उपलब्ध नहीं था, इसलिए संयंत्र ने अपनी इन-हाउस मरम्मत रणनीति तैयार की। रिक्लेमेशन शॉप ने उन्नत तकनीकों और विशेष इलेक्ट्रोड्स की सहायता से वेल्डिंग कार्य किया, जिसके बाद मार्स-1 में प्रिसिजन मशीनिंग की गई। केसिंग फुटिंग्स को उच्च सटीकता हेतु ब्लू-मैच्ड फिनिश सरफेस प्रदान किया गया। सबसे बड़ी चुनौती टूटी हुई हाई-स्पीड जर्नल बेयरिंग हाउसिंग कॉलर की मरम्मत थी। इंजीनियरिंग ड्राइंग विभाग के सहयोग से नए ड्रॉइंग तैयार किए गए और बेयरिंग हाउसिंग के टॉप एवं बॉटम हिस्सों में इस भाग को सटीकता से पुन: फिट किया गया।

रैम्प योजना के अंतर्गत उद्योग एवं बैंकर्स कनेक्ट कार्यक्रम का सफल आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भारत सरकार की रैम्प योजना (रेजिंग एण्ड एक्सलेरेटिंग एमएसएमई परफामेंस) के अंतर्गत जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, दुर्ग के द्वारा होटल अमित पार्क इंटरनेशनल, सुपेला भिलाई दुर्ग में उद्योग एवं बैंकर्स कनेक्ट कार्यक्रम का आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विभिन्न बैंकों के 15 प्रतिनिधियों एवं 140 प्रतिभागियों/ उद्योगपतियों /चार्टेड अकाउंटेंट्स ने भाग लिया।

उक्त कार्यक्रम अनंत माधव, (क्षेत्रीय प्रबंधक, बैंक ऑफ़ बड़ोदा), उद्योग संचालनलय के उपसंचालक जागेश्वर साहू, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक संजय गर्ग, चौम्बर ऑफ़ कॉमर्स के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन, आईसीएआई भिलाई के सीए प्रतिक अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर जिले के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई), महिला उद्यमी, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के हितग्राहियों तथा स्टार्टअप्स से संबंधित प्रतिभागियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन एवं परिचय मुख्य महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र, दुर्ग द्वारा दिया गया।

कार्यक्रम को प्रारंभ करते हुए जागेश्वर साहू, उप संचालक, उद्योग द्वारा बैंक व उद्यमी की आपसी परिचर्चा के बारे में तथा ई एण्ड वाय के श्री प्रवीण द्वारा रैम्प योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। प्रबंधक तुषार त्रिपाठी द्वारा औद्योगिक नीति के सम्बन्ध में, सीए प्रदीप पाल द्वारा परियोजना प्रतिवेदन व एमएसएमई वित्त पोषण के सम्बन्ध में, अजय भसीन चौम्बर ऑफ़ कॉमर्स द्वारा उद्योगों को शासन की योजनाओं का अधिकाधिक सरल तरीके से लाभ प्राप्ति के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी।

जिले के प्रमुख वाणिज्यिक बैंकों, जैसे भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफबड़ौदा सहित अन्य बैंकों के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा उपस्थित उद्यमियों को विभिन्न वित्तीय योजनाओं, ऋण सुविधाओं, मुद्रा योजना अंतर्गत उपलब्ध लाभों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

मध्यस्थता की नई पहल: मध्यस्थता में अब निष्पादन प्रकरण भी किए जाएंगे सम्मिलित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं माननीय उच्चतम न्यायालय की मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति (एमसीपीसी) के संयुक्त निर्देशन में 01 जुलाई 2025 से 07 अक्टूबर 2025 तक कुल 90 दिवस तक चलने वाले कार्यक्रम ''मीडियेशन फॉर द नेशन'' के संबंध में न्यायालयीन प्रणाली में लंबित वादों के शीघ्र और सौहार्दपूर्ण निपटारे की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग द्वारा मध्यस्थता की एक नई पहल की शुरुआत की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इस पहल के अंतर्गत जिला एवं सत्र न्यायालय दुर्ग के मध्यस्थता केन्द्र में अब मध्यस्थता की प्रक्रिया में निष्पादन प्रकरणों को भी सम्मिलित किया जाएगा। प्राय: न्यायालयों में डिक्री या आदेश पारित होने के बाद भी उनके निष्पादन में समय लगता है, जिससे पक्षकारों को अपेक्षित लाभ शीघ्र प्राप्त नहीं हो पाता। ऐसी स्थिति में मध्यस्थता के माध्यम से निष्पादन संबंधी विवादों का समाधान कराया जा सकेगा। इस व्यवस्था से पक्षकारों को शीघ्र और संतोषजनक समाधान मिलेगा, अनावश्यक लंबी न्यायिक कार्यवाही से राहत मिलेगी, आपसी सहमति एवं सौहार्दपूर्ण संबंधों को बनाए रखने में मदद मिलेगी। लंबित निष्पादन प्रकरणों की संख्या को कम करने तथा जनता को त्वरित न्याय दिलाने की दिशा में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग की महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक पहल है।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

ग्रीन पालना अभियान : प्रसूताओं को मिली फलदार पौधों की भेंट

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा के अनुरूप, जिला प्रशासन रायपुर ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में चल रहे प्रोजेक्ट ग्रीन पालना अभियान इस अनूठी पहल के अंतर्गत, सरकारी अस्पतालों में प्रसव उपरांत माताओं को 5 फलदार पौधों :- आम, अमरूद, जामुन, पपीता और मुनगा की सौगात दी जा रही है।

इस अभियान के तहत धरसींवा ब्लॉक 03, उरला बिरगांव 03, धरसीवां ब्लॉक 03, एम सी एच कालीबाड़ी 16, मंदिर हसौद 03, तिल्दा 03, एम्स रायपुर 07, अभनपुर 06, शहरी सामुदायिक आयुर्वेदिक परिसर 01 कुल 43 प्रसूताओं को 215 पौधे भेंट किए गए। यह पहल न केवल नवजात शिशु के जीवन की नई शुरुआत का प्रतीक है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए हरियाली और स्वच्छ पर्यावरण का संदेश भी देती है।

आज पूनम बरमट व निर्मल पारख की जैन दादाबाड़ी में भजन संध्या

रायपुर। सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व चमत्कारी जैन दादाबाड़ी में पर्युषण पर्व के दूसरे दिन सैकड़ों श्रद्धालुओं ने नवांगी पूजन में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। प्रातः जिनमंदिर के पट खुलते ही श्रावक श्राविकाओं का आना आरम्भ हो गया। सर्वप्रथम स्नात्र पूजन के परमात्मा का जन्मकल्याणक मनाया गया।

पर्युषण पर्व के प्रथम दिवस मंत्र नवकार हमें प्राणों से प्यारा मंगलाचरण से सी ए प्रतीक बैद ने प्रभु भक्ति आरंभ की, शंखेश्वर का नाथ है हमारा तुम्हारा, इस तीर्थ के दर्शन करलो जीवन हो सुखकारा से शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान का गुणगान किया। भक्ति रस में डूबे श्रद्धालुओं को परमात्मा बन जासे म्हारो आत्मा भजन से जैन दर्शन का सार बताया कि जिन मार्ग पर चल कर प्रत्येक भक्त भी परमात्मा बन सकता है। सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने आगे बताया कि दादागुरुदेव की प्रतिमाओं की माणक मोतियों व मखमली कपड़े से नयनाभिराम आंगी बनाई गई। जिसके दर्शन

करने भक्तों का तांता लगा रहा।

ट्रस्टी टीकम जैन ने बताया कि आज रात्रि 8.15 बजे से दादागुरुदेव इक्तिसा जाप व सुप्रसिद्ध भजन गायक सिद्धार्थ गोलछा व मिताली कटारिया की युगलबन्दी ने प्रभु भक्ति का रंग जमाया। प्रभुभक्ति कार्यक्रम का संयोजन दीप्ती बैद व सिम झाबक द्वारा किया गया। आज प्रभु भक्ति के लाभार्थी महेन्द्र कुमार तरुण कुमार मानस गौरव कल्प गर्वित कोचर परिवार हैं। पर्युषण पर्व के तीसरे दिन आज भजन युवा कलाकार पूनम बरमट व निर्मल पारख प्रभु भक्ति की गंगा प्रवाहित करेंगे । जिसके लाभार्थी इंदरचंद जय विजय सांखला परिवार होंगे।

आंध्रप्रदेश के दल ने किया संकरी, निमोरा व जरवाय प्लांट का निरीक्षण

रायपुर। आंध्रप्रदेश के विभिन्न नगरीय निकायों के पांच सदस्यीय प्रतिनिधि दल ने गुरुवार को रायपुर नगर निगम के संकरी स्थित एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र का भ्रमण किया। दल ने यहां वैज्ञानिक विधियों से किए जा रहे अपशिष्ट प्रबंधन की प्रक्रिया को समझा। उन्होंने कचरे से प्लास्टिक ग्रैन्युल्स एवं कंपोस्ट निर्माण की तकनीक की जानकारी भी प्राप्त की। इसके बाद दल ने निमोरा स्थित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का अवलोकन भी किया। वहां उन्होंने दूषित पानी को साफकरने की पूरी प्रक्रिया को जाना। इसके बाद प्रतिनिधियों ने जरवाय स्थित सीएंडडी वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट का दौरा कर भवन निर्माण के मलबे से पेवर ब्लॉक निर्माण की प्रणाली का अवलोकन किया। साथ ही उन्होंने जरवाय गौठान में गोबर से केचुआ खाद एवं पेंट निर्माण की प्रक्रिया को भी समझा। दल के साथ निगम निगम के कार्यपालन अभियंता एवं स्वच्छ भारत मिशन के नोडल अधिकारी रघुमणि प्रधान, उपअभियंता कृष्णा राठी और विशेषज्ञ प्रमीत चोपड़ा भी उपस्थित रहे।

विधायक सुनील सोनी ने निगम जोन-4 में पार्षदों की ली बैठक

साफ-सफाई, पानी लाईट की मौलिक समस्याओं का त्वरित निराकरण करने दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने रायपुर नगर निगम जोन 4 कार्यालय पहुंचकर कार्य की समीक्षा बैठक लेकर बिन्दुवार जनहित में आवश्यक निर्देश दिये। रायपुर दक्षिण विधायक ने सदर बाजार वार्ड में विभिन्न मुख्य मार्गो पर पेयजल लाईन के ऊपर अंडरग्राउंड केबलिंग कार्य करके केबल लाईन डाले जाने पर अपनी गहन अप्रसन्नता व्यक्त की। दक्षिण विधायक ने अभियान चलाकर अगले डेढ़ माह के भीतर पाईप लाईन और केबल लाईन को अलग करके सुरक्षित करना प्राथमिकता से सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिये है। रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने जोन कार्यालय जनसमस्याएं लेकर प्रतिदिन आने वाले आमजनो की समस्याओं का निदान नहीं होने एवं टाल मटोल होने को लेकर गहन नाराजगी व्यक्त की है।

रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने कहा कि नगर निगम में जोन का गठन एवं जोनकमिश्नर की पदस्थापना इसीलिए की गई है कि जोन के वार्डो की जनता को त्वरित राहत मिले और उनकी मूलभूत समस्याओं साफ-सफाई, पानी, लाईट, सडक आदि संबंधी कार्य त्वरित रूप से जोन में ही हो सके। जोन के अधिकारियों और कर्मचारियों को पार्षदों के साथ समन्वय रखकर आमजनों की समस्याएं सुनकर जोन में ही उनका त्वरित निदान करने की प्रशासनिक व्यवस्था तत्काल बनानी होगी। ताकि अनावश्यक रूप से आमजनों को अपने दैनिक कार्यों के लिए इधर -उधर ना भटकना पड़े।

रायपुर दक्षिण विधायक ने रावणभाठा फिल्टरप्लांट, अमृत मिशन योजना के कार्यों की जानकारी लेकर समीक्षा करते हुए प्रतिदिन सतत मॉनिटरिंग कर शहर की पानी टंकियों में जल का भराव पर्याप्त रूप से सुनिश्चित करके सुगमता से नागरिको को जल आपूर्ति करने के निर्देश दिये। जोन स्तर पर उप अभियंताओं को लगाकर जोन क्षेत्र की पानी टंकियों में पूर्ण भराव सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। दक्षिण विधायक ने दीपावली पर्व के पूर्व सभी वार्डों में बन्द स्ट्रीट लाईट को सुधारकर जलवाना और अच्छी प्रकाश व्यवस्था देना सुनिश्चित करने निर्देशित किया. साथ ही यह निश्चित करने के निर्देश दिए कि जोन के सभी वार्डों में नागरिकों के घरों में व्यवस्था के तहत दिन में दो बार एक-एक घण्टे की पेयजल आपूर्ति सतत हो और कोई भी समस्या आने पर पेयजल समस्या का तत्काल निराकरण स्थल पर पहुंचकर किया जाए। रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने जोन 4 के सभी 7 वार्डो में मार्गों एवं वार्डो की साफ-सफाई व्यवस्था सुधारने और विशेष सफाई अभियान चलाने के संबंध में आवश्यक निर्देश जोन कमिश्नर और जोन स्वास्थ्य अधिकारी को दिये।

विधायक ने प्रतिदिन सभी वार्डो में निर्धारित संख्या में साफ-सफाई कामगारों की शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिये। दक्षिण विधायक ने अधिकारियों को वार्डो में प्रतिदिन निरीक्षण कर वार्ड पार्षदों के साथ समन्वय रखकर वार्डवासियों की समस्याएं सुनकर उनका यथा संभव त्वरित निदान सुनिश्चित करने की प्रशासनिक व्यवस्था कायम करने के निर्देश दिये।

इस अवसर पर जोन 4 अध्यक्ष मुरली शर्मा, नगरीय नियोजन एवं भवन अनुज्ञा विभाग के अध्यक्ष मनोज वर्मा, संस्कृति विभाग के अध्यक्ष अमर गिदवानी, ब्राम्हणपारा वार्ड पार्षद अजय साहू, मौलाना अब्दुल रउफ वार्ड पार्षद अर्जुमन ढेबर, एमआईसी सदस्य प्रतिनिधि संतोष हियाल, राज्य विद्युत पावर कम्पनी के अधिकारियों, जोन 4 जोन कमिश्नर अरूण ध्रुव, प्रभारी अधीक्षण अभियंता पी. राजेश नायडू कार्यपालन अभियंता फिल्टर प्लांट नर सिंह फरेन्द्र, अंशुल शर्मा जूनियर, जोन 4 कार्यपालन अभियंता शेखर सिंह, सहायक अभियंता दीपक देवांगन, अनुराग पाटकर, जोन स्वास्थ्य अधिकारी विरेन्द्र चंद्राकर, उप अभियंताओं की उपस्थिति थे।

आरंग एसडीएम पैकरा ने आंगनबाड़ी और स्कूली बच्चों संग मनाया अपना जन्मदिन

जन्मदिन बना यादगार ङ्क जब खुशियां बच्चों के साथ बांटी गई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रोजेक्ट आओ, बाँटें खुशियाँ के तहत रायपुर जिले में जन्मदिन को खुशियों की सौगात बनाने की अनोखी पहल जारी है। इसी क्रम में एसडीएम आरंग श्रीमती अभिलाषा पैकरा ने अपने जन्मदिन को एक यादगार दिवस में बदल दिया।

श्रीमती पैकरा ने अपना जन्मदिन आंगनबाड़ी केंद्र अंबेडकर-2, आरंग और प्राथमिक शाला रसनी के बच्चों के बीच न्योता भोज का आयोजन कर मनाया। उन्होंने न केवल बच्चों के साथ केक काटा, बल्कि उन्हें खीर-पूड़ी का स्वादिष्ट और पोषणयुक्त भोजन भी परोसा। इसके साथ ही उन्होंने बच्चों को कलर पेंसिल और चॉकलेट्स उपहारस्वरूप दिए, जिससे बच्चों के चेहरों पर मुस्कान खिल उठी। बच्चों की मुस्कुराहटें, उनकी चहकती आंखें और खिलखिलाहटों से भरा यह पल न केवल स्नेह और अपनत्व का प्रतीक था, बल्कि यह संदेश भी था कि खुशियाँ तब और बढ़ती हैं, जब उन्हें बांटा जाता है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में यह अभिनव पहल कर्मचारियों को यह प्रेरणा देती है कि वे अपनी व्यक्तिगत खुशियाँ समाज के सबसे प्यारे और कोमल वर्ग बच्चों के साथ साझा करें।

खो-खो पारा स्कूल में रंगमंच शेड निर्माण व अन्य कार्यों के लिए विधायक निधि से राशि देने की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत रायपुर नगर निगम जोन 5 के महत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड क्रमांक 42 क्षेत्र अतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला खोखो पारा में पहुंचकर वार्ड 42 पार्षद एवं नगर निगम जोन 5 अध्यक्ष अम्बर अग्रवाल और शासकीय स्कूल खोखोपारा स्कूल की प्राचार्य सी. वर्मा सहित गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, शिक्षक, शिक्षिकाओ, कर्मचारियों, स्कूल के छात्र-छात्राओ की उपस्थिति में शासन के स्कूल शिक्षा विभाग की सरस्वती सायकल योजना के अंतर्गत स्कूल में अध्ययनरत 33 छात्राओ को नई सायकल वितरीत की।

रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने मच से खो खो पारा स्कूल में शेड और रंगमंच निर्माण सहित अन्य आवश्यक कार्य करवाने रायपुर दक्षिण विधायक निधि के जनसम्पर्क स्वेच्छानुदान मद से 10 लाख रु का अनुदान देने की घोषणा की। दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने विद्या की प्रतीक देवी माता सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर सरस्वती सायकल योजना में सायकल वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। स्कूल की छात्राओ द्वारा सरस्वती क्वदना की प्रस्तुति की गई। दक्षिण विधायक ने सभी विद्यार्थियों को बधाई दी एवं संकल्प लेने अपील की कि स्कूल निकलते समय घर में अपने से बडो और बुजुर्गो का प्रतिदिन आशीर्वाद लेकर स्कूल आए ताकि इससे सभी बच्चो को जीवन में सफल होने प्रेरणाशक्ति मिल सके।

जीएसटी आयुक्त से मुलाकात कर सुनाई व्यापारियों की समस्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी के नेतृत्व में को एक प्रतिनिधिमंडल ने जीएसटी आयुक्त पुष्पेंद्र कुमार मीणा से मुलाकात की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) से संबंधित व्यापारियों की समस्याओं को आयुक्त के समक्ष रखना और उनके निराकरण के लिए सुझाव देना था। प्रतिनिधिमंडल ने जीएसटी रिटर्न फाइलिंग की जटिलताओं, रिफंड में देरी, और अधिकारियों द्वारा जांच से जुड़ी दिक्कतों जैसे मुद्दों को विस्तार से उठाया।

चेंबर संरक्षक श्रीचंद सुंद्रानी ने कहा कि यदि कोई अधिकारी व्यापारी के साथ गलत कार्यवाही करता है, तो उसे दंडित क्यों नहीं किया जाता, जबकि व्यापारी की छोटी-सी गलती पर तुरंत कार्रवाई और दंड लागू हो जाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जीएसटी का नाम सुनकर व्यापारी डरने लगे हैं, फिर भी छत्तीसगढ़ में जीएसटी संग्रहण सबसे अधिक है। चेंबर अध्यक्ष सतीश थौरानी और छत्तीसगढ़ जीएसटी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अखिलेश मिश्रा व महासचिव शिव सोनी ने सुझाव दिया कि प्रत्येक जिले में जीएसटी हेल्प डेस्क स्थापित किया जाए, जिसे आयुक्त ने स्वीकार किया। सीए रवि ग्वालानी ने कहा कि नोटिस के जरिए व्यापारियों पर अनुचित दबाव नहीं बनाना चाहिए, बल्कि सहजता से समाधान करना चाहिए।

सीए योगेश वर्ल्यानी ने जीएसटी में कानून होने के बावजूद व्यवस्था

की कमी पर चिंता जताई। चेंबर वाइस चेयरमैन चेतन तारवानी ने आयुक्त की संवेदनशीलता की सराहना करते हुए कहा कि यह पहली बार है जब कोई कमिश्नर व्यापारियों की बात इतने ध्यान से सुन रहा है।

जीएसटी आयुक्त पुष्पेंद्र मीणा ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुना और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि आगे से कैमरे बंद नहीं किए जाएंगे, मोबाइल नहीं छीना जाएगा, और व्यापारी अपने वकील को बुला सकेंगे। विभाग व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए सुझावों का स्वागत करता है।

बैठक में जीएसटी अधिकारी पी.एस. विंध्यराज, पी.आर. धुर्वे, निलिमा तिग्गा, संयुक्त आयुक्त नरेंद्र वर्मा, दीपक गिरी, याचना ताम्बरे, सुनील चौधरी, सोनल मिश्रा, भावना अली आदि उपस्थित थे। चेंबर की ओर से सतीश थौरानी, श्रीचंद सुंद्रानी, अमर गिदवानी, विजय मुकीम, चेतन तारवानी, राधा किशन सुंद्रानी, राजेश वासवानी, जसप्रीत सिंह सलूजा, लोकेश चंद्रकांत जैन, कन्हैया गुप्ता, दिलीप इसरानी, अमरदास खट्टर, जीतेंद्र शादीजा, तनेश आहूजा, जवाहर थारानी, रितेश वाधवा, धनेश मटलानी, अधिवक्ता दयाल राजपाल, सीए योगेश वर्ल्यानी, रवि ग्वालानी, सरदार हरचरण सिंह साहनी, धरम भंसाली, सुनील पारख, निलेश सेठ, विनय गोलछा, संजय देशमुख, विजय गोयल, प्रेम पाहूजा, अमर भंसाली, रितेश सचदेव, अमर सचदेव, दिनेश जैन आदि मौजूद रहे। यह बैठक व्यापारियों और प्रशासन के बीच संवाद को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

गणेश उत्सव के लिए प्रशासन ने जारी की सख्त गाइडलाइन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में गणेश उत्सव को लेकर जिला प्रशासन ने विस्तृत गाइडलाइन जारी की है। सड़क पर पंडाल लगाने से पहले समितियों को प्रशासन से अनुमति लेना अनिवार्य होगा। साथ ही रात 10 बजे के बाद ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। हर पंडाल में सीसीटीवी कैमरा लगाना और स्वयंसेवकों की तैनाती जरूरी होगी।

एडिशनल कलेक्टर उमाशंकर बंदे और एडिशनल एसपी लखन पटले ने गणेश उत्सव समितियों की बैठक लेकर निर्देश दिए। अधिकारियों ने कहा कि एनजीटी के नियमों का पालन सुनिश्चित

किया जाए। रात में विशेष निगरानी रहेगी और समितियों को सुरक्षा संबंधी सभी इंतजाम करने होंगे।

झांकियों का रूट भी तय कर दिया गया है। शोभायात्रा शारदा चौक - जयस्तंभ - मालवीय रोड - कोतवाली चौक - सदरबाजार - सत्तीबाजार - कंकालीपारा - पुरानी बस्ती थाना - लीलीचौक - लाखेनगर - रायपुरा - महादेवघाट मार्ग से ही निकलेगी। शास्त्री चौक से जयस्तंभ चौक तक झांकियों की अनुमति नहीं होगी। विसर्जन केवल महादेवघाट कुंड में ही किया जाएगा।

गाइडलाइन में यह भी कहा गया है कि झांकियों की ऊंचाई बिजली तारों से सुरक्षित दूरी पर रखी जाए, जनरेटर और वायरिंग सुरक्षित हों, और समितियां अपने सदस्यों व स्वयंसेवकों की सूची थाना प्रभारी को दें। विसर्जन के दौरान छोटे बच्चों और बुजुर्गों को साथ लाने से बचने की सलाह दी गई है।

ऑनलाइन गेमिंग बिल युवाओं और परिवारों के भविष्य को सुरक्षित करने वाला ऐतिहासिक कदमः बृजमोहन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। लोकसभा में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा पेश प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग बिल, 2025 को सदन की मंजूरी मिल गई है। इस अवसर पर रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने बिल का स्वागत करते हुए इसे देश के लिए एक गेम चेंजर कानून बताया।

श्री अग्रवाल ने कहा कि यह बिल देश के युवाओं, उनके परिवारों और समाज के सुरक्षित

भविष्य को सुनिश्चित करेगा। आज ऑनलाइन गेमिंग की लत ने हजारों परिवारों को बर्बादी की कगार पर पहुँचा दिया है।

कई युवा इस जाल में फंसकर आत्महत्या तक कर रहे हैं। ऐसे में यह बिल समय की मांग था। उन्होंने कहा कि इस कानून के माध्यम से एक प्राधिकरण का गठन कर ऑनलाइन गेमिंग पर नियंत्रण स्थापित किया जाएगा। अवैध और हानिकारक गेम्स पर रोक लगेगी तथा बच्चों और युवाओं को सुरक्षित वातावरण मिलेगा। सांसद अग्रवाल ने यह भी कहा कि इस बिल के अंतर्गत पढ़ाई और खेलों से संबंधित सकारात्मक व शैक्षणिक गेमिंग ऐप्स को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे युवाओं की ऊर्जा सही दिशा में लगे और वे डिजिटल युग में भी स्वस्थ, सशक्त और सुरक्षित रह सकें।

बचपन रहे स्वस्थ, दिल धड़कता रहे खुशियों से 'प्रोजेक्ट धड़कन' के तहत स्वास्थ्य जांच शिविर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार जिला प्रशासन रायपुर की नवाचारी पहल 'प्रोजेक्ट धड़कन' के अंतर्गत में विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बच्चों के जन्मजात हृदय रोग की प्रारंभिक पहचान हेतु स्क्रीनिंग की गई।

आंगनबाड़ी क्रमांक 7 शुक्रवारी बाजार बिरगांव में 92 बच्चों की जांच की गई। जिसमें 38 छात्र एवं 54

छात्राएं शामिल रही। जिसमें कोई भी बच्चे सस्पेक्टेड नहीं मिले। पीएम आडवाणी अर्लीकन SAGES बिरगांव में, कुल 211 बच्चों की स्क्रीनिंग की गई जिसमें 95 छात्र एवं 116 छात्राएं शामिल रहे कोई भी बच्चा सस्पेक्टेड नहीं मिला। आंगन बाड़ी 6 इंद्रा नगर बिरगांव में 75 बच्चों की स्क्रीनिंग किया गया जिसमें छात्र 38 तथा छात्राएं 37 शामिल रही,(1 लड़की+2 बालक) कुल 3 बच्चें सस्पेक्टेड मिले। आगे की जांच एवं ईलाज श्री सत्य साई हॉस्पिटल नवा रायपुर द्वारा की जाएगी।

प्रोजेक्ट धड़कन का मुख्य उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों एवं शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों में जन्मजात हृदय रोग के लक्षणों की प्रारंभिक पहचान, जांच एवं निःशुल्क उपचार सुनिश्चित करना है। तेज धड़कन, वजन न बढ़ना, शरीर में नीलापन, बार-बार सर्दी-खांसी, सांस लेने में तकलीफ तथा स्तनपान के समय पसीना आना जैसे लक्षणों के आधार पर बच्चों की जांच की जाती है।

ट्रेंड कर रहा 'ओह मामा टेटेमा', बॉलीवुड की डांसिंग क्वीन और एक्ट्रेस नोरा फतेही ने फैंस का किया धन्यवाद

बॉलीवुड की डांसिंग क्वीन और एक्ट्रेस नोरा फतेही एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उनका नया म्यूजिक वीडियो 'ओह मामा टेटेमा' रिलीज हुआ है, जो कुछ ही दिनों में सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगा है। इस गाने में नोरा ने सिर्फ अपने डांस का ही जलवा नहीं दिखाया, बल्कि पहली बार उन्होंने गाने में अपनी आवाज भी दी है। उनके फैंस इस नए अंदाज को खूब पसंद कर रहे हैं। इसी बीच, नोरा ने बुधवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है।

इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए वीडियो में नोरा रेड क्रॉप टॉप और डेनिम शॉर्ट्स में नजर आ रही हैं। वीडियो में नोरा समुद्र किनारे सिजलिंग पोज देती दिखती हैं, और उनका ग्लैमर अंदाज साफ नजर आ रहा है। उनके एक्सप्रेशन को देख लोग उनके कायल हो रहे हैं। इस वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'ओह मामा टेटेमा' स्पॉटिफाई चार्ट पर आगे बढ़ रहा है। धन्यवाद मेरे प्यारे साथियों स्ट्रीमिंग करते रहो और अपनी पावर दिखाओ! इस वीडियो पर फैंस अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कोई उन्हें 'क्वीन' कह रहा है तो कोई 'डांसिंग दिवा' एक फैन ने कमेंट में लिखा, 'ओह मामा टेटेमा' मैंने 100 बार सुन लिया है।' दूसरे फैन ने लिखा, आपसे नजरें हटती ही नहीं! जादू चल गया आपका।

अन्य फैंस ने उनके लुक की तारीफ की और लिखा, 'आप रेड आउटफिट में अच्छी लगती हैं।' बता दें कि नोरा फतेही और तंजानियाई सिंगर रेवनी ने मिलकर 'ओह मामा टेटेमा' गाना तैयार किया है। इस गाने में अफ्रीकी बीट्स और देसी म्यूजिक का बेहतरीन मेल है। गाने को बॉस्को लेस्ली मार्टिस ने डायरेक्ट और कोरियोग्राफ किया है। गाने में नोरा के एक्सप्रेशन, डांस स्टेप्स और परफॉर्मेंस ने सबको हैरान कर दिया है। खास बात यह है कि इस गाने को मशहूर सिंगर श्रेया घोषाल और नोरा ने मिलकर गाया है। गाना 10 अगस्त को यूट्यूब पर रिलीज हुआ और कुछ ही घंटों में लाखों व्यूज बटोर लिए।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा से बाहर हुईं अंबिका रंजनकर?

हिट सिटकॉम तारक मेहता का उल्टा चश्मा में कोमल हाथी के रूप में अपनी लंबे समय से चली आ रही भूमिका के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री अंबिका रंजनकर हाल ही में कई एपिसोड से अनुपस्थित थीं, जिससे उनके संभावित प्रस्थान के बारे में व्यापक अटकलें लगाई जा रही थीं। प्रशंसकों ने तुरंत सोशल मीडिया पर यह सोचकर हमला किया कि क्या वह लोकप्रिय श्रृंखला छोड़ने वाली नवीनतम कलाकार हैं। हालांकि, अंबिका ने अब स्पष्ट किया है कि उन्होंने शो नहीं छोड़ा है।

टेली चक्कर के साथ बातचीत में, उन्होंने अफवाहों को संबोधित करते हुए कहा, नहीं, मैंने शो नहीं छोड़ा है। मैं तारक मेहता का उल्टा चश्मा का हिस्सा हूं। उन्होंने अपनी अस्थायी अनुपस्थिति के बारे में आगे बताया, ठीक है, कुछ व्यक्तिगत कारणों से, मैं दूर थी। मुझे अपने लिए कुछ समय चाहिए था। तारक मेहता का उल्टा चश्मा के कलाकारों की टुकड़ी में दिलीप जोशी, निर्मल सोनी, मुनमुन दत्ता, अमित भट्ट, सुनयना फोजदार, सचिन श्रॉफ, मंदार चंदवादकर, सोनालीका जोशी और अन्य शामिल हैं। यह शो गोकुलधाम सोसाइटी के निवासियों पर केंद्रित कहानियों के साथ दर्शकों का मनोरंजन करना जारी रखता है - एक जीवंत आवासीय कॉलोनी जहां विभिन्न सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के परिवार सद्भाव से रहते हैं।

एक्ट्रेस पूजा हेगड़े ने बताई 'जन नायकन' शूटिंग की यादें

पूजा हेगड़े ने विजय थलपति के साथ उनकी आखिरी फिल्म, जन नायकन के लिए काम किया है। जन नायकन की शूटिंग के दौरान भावनाओं के उतार-चढ़ाव को याद करते हुए, पूजा हेगड़े ने स्वीकार किया कि इससे उन्हें दुख हुआ, लेकिन उन्होंने जीवन में आगे बढ़ने के महत्व को भी स्वीकार किया। विजय थलपति, जो सिनेमा की दुनिया छोड़कर पूरी तरह से राजनीति में कदम रख रहे हैं, के साथ अपने आखिरी शॉट को याद करते हुए, पूजा ने कहा, ऽमैं जनवरी में रिलीज़ होने वाली फिल्म के लिए उत्साहित हूँ, और आगे कहा, यह विजय सर की आखिरी फिल्म है।

सच कहूँ तो, मैं बस उदास थी। विजय सर के साथ काम करना सबसे सुकून देने वाला अनुभव है। वह बहुत ही शांत और सहज इंसान हैं। मुझे लगता है कि उनके मन में, वह जानते हैं कि वह एक सुपरस्टार हैं, और उन्हें यह साबित करने की जरूरत महसूस नहीं होती क्योंकि वह खुद के साथ बहुत सहज हैं। उनके साथ काम करना सबसे अच्छा सह-कलाकार है, उन्होंने आगे कहा। उन्होंने कहा, उसके मन में बड़े और अलग सपने हैं और उसे उनका अनुसरण करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, वह अब भी उन लोगों में से एक है जिनसे मैं मिलती रहती हूं और वह हमेशा बहुत मधुर व्यवहार करता है।

बिग बॉस जोविका ने मनाया अपना 20वां जन्मदिन

रियलिटी शो बिग बॉस से प्रसिद्धि पाने वाली अभिनेत्री और फिल्म निर्माता जोविका ने अपना 20वां जन्मदिन मनाया है। उन्होंने पोस्ट किया कि किशोरावस्था से 20 के दशक में कदम रखना अपने साथ नए आश्चर्य और डर का मिश्रण लेकर आता है। जोविका विजय टीवी पर प्रसारित होने वाले शो बिग बॉस सीजन 7 में एक प्रतियोगी के रूप में भाग लेने के लिए प्रसिद्ध हैं। अभिनेत्री वनिता विजयकुमार की बेटी, उन्होंने फिल्म मिस्टर एंड मिसेज का निर्माण किया, जिसमें वनिता विजयकुमार मुख्य भूमिका में थीं और कोरियोग्राफर रॉबर्ट मुख्य भूमिका में थे। फिल्म का निर्देशन खुद वनिता विजयकुमार ने किया था।

जोविका, जो वर्तमान में अभिनय पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं, इसके लिए प्रशिक्षण भी ले रही हैं। इसके अलावा, वह खाना पकाने, निशानेबाजी और तीरंदाजी पर भी ध्यान केंद्रित कर रही हैं। इस बीच, जोविका ने हाल ही में अपना 20वां जन्मदिन मनाया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पेज पर इससे जुड़ी तस्वीरें शेयर कीं, एक नया दशक। किशोरावस्था से निकलकर 20 के दशक में प्रवेश करना डरावना भी है और रोमांचक भी। मैं ढेर सारे प्यार, आशीर्वाद, उम्मीदों और सपनों के साथ अपने जीवन के इस नए दौर में प्रवेश कर रही हूँ, उन्होंने लिखा। इस पोस्ट पर उन्हें कई प्रशंसक बधाई दे रहे हैं।

ट्रोलिंग पर 'Vaani Kapoor' निर्णय आपकी मानसिकता का होता है

वाणी कपूर को इस साल पेशेवर तौर पर कई तरह की भावनाओं और प्रतिक्रियाओं का सामना करना पड़ा है। जहाँ उन्हें रेड 2 से सफलता मिली और हाल ही में मंडला मर्डर्स के साथ अपने ओटीटी डेब्यू के लिए सराहना मिली, वहीं अबीर गुलाल को लेकर हुए विवाद ने उन्हें काफी आलोचना और आलोचना का निशाना बनाया।

वाणी कपूर से जब पूछा गया कि उन्होंने इससे कैसे निपटा, तो उन्होंने कहा, एक इंसान के तौर पर, जब आप अपने सबसे निचले स्तर पर होते हैं, तब आपको पता चलता है कि आप असल में कौन हैं। तभी आप तय करते हैं कि क्या आप निंदक, घृणास्पद और निराश होने वाले हैं, क्योंकि ऐसा होना बहुत आसान है। आप या तो यह कह सकते हैं कि 'यह मेरी समस्या नहीं है', या फिर खुद को पीड़ित समझने लग सकते हैं, जैसे कि सारी बुरी चीजें मेरे साथ ही होती हैं। ऐसे विचारों में खुद को उलझाना आसान है।

लेकिन आध्यात्मिकता ने ही उनकी मदद की: मैं आध्यात्मिक रूप से भी प्रेरित हूँ और मुझे पता है कि खुद को कैसे केंद्र में वापस लाना है। साथ ही, मुझे अपना काम बहुत पसंद है और ऐसा नहीं है कि मुझे प्यार नहीं मिला। लोग मेरे प्रति दयालु भी रहे हैं, और मैं इसकी बहुत कद्र करती हूँ। उस समय आपको बस उम्मीद की एक किरण की जरूरत होती है। खुशकिस्मती से, मेरे पास हमेशा एक प्रोजेक्ट होता है जिसका मैं इंतज़ार करती हूँ और नए सिरे से शुरुआत करती हूँ।

मैं बस इतना ही कर सकती हूँ क्योंकि मेरे हाथ में बस यही है, वह कहती हैं। अभिनेत्री आगे कहती हैं, बेशक बेचैनी होती है, और चिंता हावी हो जाती है। आप हर जगह से पूर्वधारणाओं और निर्णयों से भी जूझ रहे होते हैं। लोगों के पास अपनी राय रखने की आजादी है, खासकर सोशल मीडिया के जरिए, और कभी-कभी वे वाकई बहुत कठोर हो सकते हैं। मुझे पता है कि ज्यादातर इसमें शोर होता है, लेकिन ऐसे लोग भी होते हैं जो आपको ईमानदार और रचनात्मक प्रतिक्रिया देते हैं। इसलिए, मैंने सीख लिया है कि प्रतिक्रिया को शोर से कैसे अलग किया जाए।

करीना कपूर ने शाहिद के साथ रोमांस पर कहा- रोजमर्रा के माहौल को संजोकर रखना पसंद

करीना कपूर और शाहिद कपूर इंडस्ट्री के सबसे पसंदीदा जोड़ों में से एक थे। उनकी केमिस्ट्री को उनके प्रशंसकों ने ऑन-स्क्रीन और ऑफ-स्क्रीन, दोनों जगह खूब पसंद किया। हालाँकि दोनों का ब्रेकअप हो गया और वे अपनी जिंदगी में आगे बढ़ गए, लेकिन इंटरनेट पर उनका एक पुराना इंटरव्यू फिर से सामने आया है, जिसमें अभिनेत्री ने अपने तत्कालीन बॉयफ्रेंड की जमकर तारीफ की।

कॉस्मोपॉलिटन से बात करते हुए, क्रू स्टार ने शाहिद के साथ रिश्ते में होने की एक खास बात बताई। दोनों ने आखिरी बार 2016 में आई फिल्म 'उड़ता पंजाब' में साथ काम किया था।

करीना कपूर ने शाहिद कपूर को डेट करने के फायदों पर बात की एक समय की बात है, जब एक मीडिया पोर्टल से बातचीत में करीना कपूर ने बताया कि उन्हें कबीर सिंह अभिनेता के साथ 'सामान्य' रहना बहुत पसंद था। जब अभिनेत्री से उनके पूर्व बॉयफ्रेंड के लिए उनके द्वारा किए गए सबसे खास काम के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने स्वीकार किया कि वह अभी भी डेटिंग के शुरुआती दौर में थीं। इसके अलावा, करीना ने यह भी खुलासा किया कि काम के व्यस्त शेड्यूल के कारण उनके पूर्व पार्टनर इस रोमांस को अपने तक ही सीमित रखते थे।

उन्होंने बताया, मैं सामान्य हो जाती हूँ और सामान्य चीज़ें करती हूँ। इसके अलावा, करीना ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्हें ऊँचाई और गति से डर लगता है, इसलिए उन्होंने कभी अभिनेता की बाइक नहीं चलाई। इम्तियाज़ अली निर्देशित जब वी मेट में शाहिद और कपूर खान की केमिस्ट्री को सबसे ज़्यादा पसंद किया गया था। जिस साल इस जोड़ी ने दर्शकों को एक क्लासिक फिल्म दी, उसी साल उनके रास्ते अलग हो गए थे। अलग होने के बाद, दोनों पूर्व प्रेमी जोड़े ने 2010 में एक फिल्म मिलेंगे मिलेंगे में साथ काम किया। हालाँकि यह प्रोजेक्ट अंग्रेजी फिल्म सेरेन्डिपिटी का रूपांतरण था, लेकिन यह पर्दे पर वैसा जादू नहीं चला सकी। करीना कपूर ने 2012 में सैफ अली खान से शादी की, जबकि शाहिद कपूर ने 2015 में मीरा राजपूत से शादी की।

हुमा कुरैशी ने लंदन शूट से झलकियाँ साझा कीं

हुमा कुरैशी इन दिनों लंदन में बहुप्रतीक्षित राजनीतिक ड्रामा 'महारानी सीज़न 4' की शूटिंग कर रही हैं। रानी भारती, जो एक गृहिणी हैं और अप्रत्याशित रूप से बिहार की मुख्यमंत्री बन जाती हैं, के रूप में अपने दमदार अभिनय से दिल जीतने वाली अभिनेत्री, सोशल मीडिया पर नियमित अपडेट के साथ प्रशंसकों को उत्साहित करती रहती हैं।

हाल ही में, हुमा ने लंदन से कई नई तस्वीरें साझा कीं, और संकेत दिया कि जिसे वह गर्व से भारत का सबसे पसंदीदा शो कहती हैं, उसका चौथा सीजन आने वाला है। अब हुमा कुरैशी के साथ रानी भारती को लंदन लाने के साथ, महारानी सीजन 4 और भी बड़ा, बोल्ड और रोमांचक होने का वादा करता है। बुधवार को, हुमा कुरैशी ने अपने महारानी अवतार में अपनी एक तस्वीर पोस्ट की। वह सुनहरे बॉर्डर वाली काली साड़ी पहने हुए दिखाई दीं, जिसके ऊपर लंदन की ठंड से बचने के लिए एक बड़ा सा हल्का भूरा कोट था।

तस्वीर में वह शहर के क्षितिज को निहारती हुई दिखाई दे रही थीं। फोटो के साथ उन्होंने लिखा, महारानी ने लंदन पर कब्जा कर लिया भारत के सबसे पसंदीदा शो का सीजन 4 शुरू हो रहा है जल्द आ रहा है। इस बीच, हुमा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज में फैन्स का मनोरंजन करते हुए अनोखे कैप्शन भी दिए। एक में उन्होंने लिखा, रानी भारती लंदन में अंग्रेज सरकार भी सोच में। एक और स्टोरी में उन्होंने चुटीले अंदाज में कहा, अगर कोई कोहिनूर वापस ला सकता है तो वो रानी भारती हैं। रानी भारती लंदन में देखी गईं।

हाथों को मुलायम बनाने के लिए घर पर बनाएं ये 5 स्क्रब

आमतौर पर लोग अपने चेहरे की त्वचा का ख्याल तो रख लेते हैं, लेकिन हाथों की देखभाल करना भूल जाते हैं। हाथों की देखभाल के लिए स्क्रब का इस्तेमाल करना फायदेमंद हो सकता है क्योंकि यह मृत कोशिकाओं को हटाने, खून के बहाव को बढ़ाने और त्वचा को मुलायम बनाने में मदद कर सकता है। आइए आज हम आपको पांच ऐसे स्क्रब की विधि बताते हैं, जिन्हें आप घर पर कुछ ही मिनटों में तैयार कर सकते हैं।

चायपत्ती और जैतून के तेल का स्क्रब

सामग्री: एक बड़ी चम्मच चायपत्ती, एक बड़ी चम्मच जैतून का तेल और एक बड़ी चम्मच शहद। स्क्रब बनाने और इस्तेमाल करने का तरीका: सबसे पहले एक कटोरी में सभी चीजों को डालकर अच्छी तरह मिलाएं, फिर इसे अपने हाथों पर लगाकर हल्के हाथों से 3-4 मिनट रगड़ें। इसके बाद हाथों को गुनगुने पानी से धोकर तौलिये से पोंछ लें। फायदा: यह स्क्रब हाथों की त्वचा की गहराई से सफाई करने और उन्हें मुलायम बनाने में मदद कर सकता है।

कॉफी और नारियल के तेल का स्क्रब

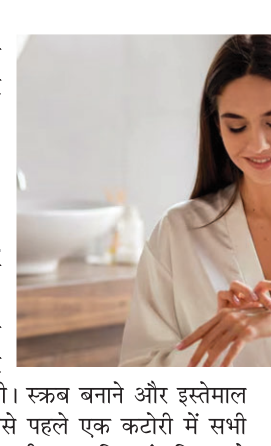

सामग्री: एक बड़ी चम्मच कॉफी पाउडर, एक बड़ी चम्मच नारियल का तेल और एक बड़ी चम्मच चीनी। स्क्रब बनाने और इस्तेमाल करने का तरीका: सबसे पहले एक कटोरी में सभी चीजों को डालकर अच्छी तरह मिलाएं, फिर इसे अपने हाथों पर लगाकर हल्के हाथों से 3-4 मिनट रगड़ें। इसके बाद हाथों को गुनगुने पानी से धोकर तौलिये से पोंछ लें। फायदा: यह स्क्रब हाथों की त्वचा को साफ करने के साथ-साथ उन्हें मुलायम बनाने में मदद कर सकता है।

बादाम के तेल और चीनी का स्क्रब

सामग्री: एक बड़ी चम्मच चीनी, एक चम्मच बादाम का तेल और एक बड़ी चम्मच नींबू का रस। स्क्रब बनाने और इस्तेमाल करने का तरीका: सबसे पहले एक कटोरी में सभी चीजों को डालकर अच्छी तरह मिलाएं, फिर इसे अपने हाथों पर लगाकर हल्के हाथों से 3-4 मिनट रगड़ें। इसके बाद हाथों को गुनगुने पानी से धोकर तौलिये से पोंछ लें। फायदा: यह स्क्रब त्वचा को गहराई से साफ करने और उन्हें मुलायम बनाने में मदद कर सकता है।

ओटमील और दही का स्क्रब

सामग्री: दो चम्मच ओटमील पाउडर, एक चम्मच दही और एक चम्मच शहद। स्क्रब बनाने और इस्तेमाल करने का तरीका: सबसे पहले एक कटोरी में सभी चीजें डालकर अच्छी तरह मिला लें, फिर इस मिश्रण को अपने हाथों पर लगाएं और हल्के हाथों से 3-4 मिनट रगड़ें। इसके बाद हाथों को गुनगुने पानी से धोकर तौलिये से पोंछ लें। फायदा: यह स्क्रब हाथों को साफ करने के साथ-साथ उन्हें मुलायम बनाने में भी मदद कर सकता है।

कच्चे पपीते और शहद का स्क्रब

सामग्री: एक कप कच्चे पपीते का गूदा और एक चम्मच शहद। स्क्रब बनाने और इस्तेमाल करने का तरीका: सबसे पहले एक कटोरी में सभी चीजों को डालकर अच्छी तरह मिलाएं, फिर इसे अपने हाथों पर लगाकर हल्के हाथों से 3-4 मिनट रगड़ें। इसके बाद हाथों को ठंडे पानी से धोकर तौलिये से पोंछ लें। फायदा: यह स्क्रब हाथों की मृत कोशिकाओं को हटाने और उन्हें मुलायम बनाने में मदद कर सकता है।

अलग राज्य बनने के बाद छत्तीसगढ़ की बदली है दशा और दिशा - अरुण साव

1.23 करोड़ के व्यावसायिक परिसर, 71 लाख से निर्मित तहसील कार्यालय और 30 लाख से विकसित अटल परिसर का किया लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने रायपुर जिले के गोबरा नवापारा नगर पालिका में पांच करोड़ 30 लाख रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इनमें चार करोड़ 80 लाख रुपए लागत के 11 कार्यों का लोकार्पण और 50 लाख 20 हजार रुपए के तीन कार्यों का भूमिपूजन शामिल हैं। उप मुख्यमंत्री साव ने शहर में विकास कार्यों के लिए दो करोड़ रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने गोबरा नवापारा के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से कहा कि आप लोग तुरंत प्रस्ताव बनाकर भेजिए। नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा तत्काल इन प्रस्तावों को मंजूर कर राशि जारी की जाएगी। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा और अभनपुर के विधायक इंद्र कुमार साहू भी लोकार्पण-भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने गोबरा नवापारा में 71 लाख 12 हजार रुपए की लागत से निर्मित तहसील कार्यालय और 30 लाख रुपए की लागत से विकसित अटल परिसर का लोकार्पण किया। उन्होंने क्रमश: 25 लाख रुपए और 30 लाख रुपए से निर्मित धीवर और कसेर समाज के सामुदायिक भवनों, कुल 48 लाख 42 हजार रुपए की लागत के दो स्कूलों में तीन -तीन अतिरिक्त कक्षों, 98 लाख 78 हजार रुपए लागत के स्ट्रीट पोल विस्तारीकरण कार्यों, बस स्टैंड में एक करोड़ 23 लाख रुपए से बनाए गए व्यावसायिक परिसर तथा 53 लाख 17 हजार रुपए लागत के सांस्कृतिक भवन का भी लोकार्पण किया।

उप मुख्यमंत्री साव ने गोबरा नवापारा के सामुदायिक भवन में आयोजित कार्यक्रम में 15 लाख रुपए लागत के तीन वार्डों में सीसी रोड निर्माण, सात लाख रुपए लागत के कहार भोई समाज के सामुदायिक भवन और 28 लाख 20 हजार रुपए लागत के आकांक्षी शौचालय के निर्माण के लिए भूमिपूजन किया। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत हितग्राहियों को उनके स्वीकृत आवासों के निर्माण के लिए अनुज्ञा पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम में शहर की स्वच्छता दीदियों को सम्मानित किया गया। उप मुख्यमंत्री साव ने नवनिर्मित तहसील कार्यालय परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत रुद्राक्ष का और राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कपूर का पौधा लगाया।

उप मुख्यमंत्री साव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले डेढ़ वर्षों में गोबरा नवापारा को विभिन्न विकास कार्यों के लिए 23 करोड़ रुपए दिए गए हैं। इससे शहर का तेजी से विकास हो रहा है। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी बाजपेयी के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि अलग राज्य बनने के बाद पिछले 25 बरसों में यहां की दशा और दिशा बदली है। उन्होंने कहा कि सभी शहरों के सुनियोजित और सुव्यवस्थित विकास के लिए हम सिटी डेवलपमेंट प्लान बनाकर काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हम मोदी की एक-एक गारंटी को पूरा कर रहे हैं। आज हर गांव और शहर में प्रधानमंत्री आवास बनते दिख रहे हैं।

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य सरकार छत्तीसगढ़ का तेजी से विकास कर समृद्धि के रास्ते पर लेकर जा रही है। पिछले 20 महीनों में राजस्व विभाग सहित कई विभागों में सुधार के बड़े काम हुए हैं जिसका लाभ प्रदेशवासियों को मिल रहा है। लोगों के काम तेजी से हो रहे हैं, फर्जीवाड़ा रुक रहा है। राजस्व विभाग के सभी कार्यों को लोक सेवा गारंटी में शामल किया गया है। उन्होंने कहा कि विष्णु देव साय की सुशासन सरकार मोदी की सभी गारंटियों को धरातल पर उतार रही है।

लोकार्पण-भूमिपूजन कार्यक्रम को विधायक इंद्र कुमार साहू और गोबरा नवापारा नगर पालिका की अध्यक्ष ओमकुमारी साहू ने भी संबोधित किया। पूर्व मंत्री चंद्रशेखर साहू, जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष अशोक बजाज, नगर पालिका के उपाध्यक्ष भूपेन्द्र सोनी, सीएमओ लवकेश कुमार, श्याम नारंग और नागेन्द्र वर्मा सहित पार्षदगण, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे।

छत्तीसगढ़ की गौरव गाथा और स्वतंत्रता सेनानियों पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर स्थित ऐतिहासिक टाउन हॉल में जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं राज्य सरकार की उपलब्धियों पर आधारित सात दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी का आज समापन हुआ। यह प्रदर्शनी 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा शुभारंभ की गई थी।

प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ के वीर क्रांतिकारियों की गाथाओं, उनके संघर्षों और स्वतंत्रता आंदोलन में निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिकाओं को आकर्षक छायाचित्रों, दस्तावेजों और जीवन प्रसंगों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। साथ ही, राज्य सरकार की महतारी वंदन योजना, कृषक उन्नति योजना, रामलला दर्शन योजना, पीएम जनमन योजना, महिला सशक्तीकरण एवं जनदर्शन जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं की झलक भी आगंतुकों को देखने को मिली। सात दिनों तक आयोजित खेलो छत्तीसगढ़ ज्ञान प्रतियोगिता और वर्चुअल रियलिटी गेम्स प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण रहे। प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के राजकीय वृक्ष, पुष्प, राष्ट्रीय उद्यान, सिरपुर कला शैली, बस्तर क्राफ्ट, जशपुर के जलप्रपात और सरगुजा के खनिजों से जुड़े प्रश्न पूछे गए। परी मानिकपुरी (संत कंवर राम विद्यालय) ने सभी प्रश्नों के सही उत्तर देकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, दुर्ग की पायल शर्मा और रायपुर की गीता गुप्ता ने वर्चुअल रियलिटी गेम्स में सक्रिय भागीदारी कर प्रदर्शनी को और जीवंत बनाया। प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे युवा, समाज के विभिन्न वर्गों के लोग तथा इतिहास प्रेमी शामिल हुए।

छत्तीसगढ़ के धान ने आकर्षित किया उज्बेकिस्तान के वैज्ञानिकों को

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय एवं डेनाऊ इंस्टीट्यूट ऑफइंटरप्रेन्योरशिप एंड पेडागॉजी उज्बेकिस्तान के मध्य शिक्षा एवं अनुसंधान हेतु समझौता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के धान की विलक्षण जैव विविधता एवं उत्पादन तकनीक ने उज्बेकिस्तान के डेनाऊ इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरप्रेन्योरशिप एंड पेडागॉजी के रेक्टर प्रो. ओयबेक आब्दीमुमीनोविच रोज़िव को गहराई से प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि उनके संस्थान ने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के साथ कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान सहयोग हेतु समझौता किया है।

प्रो. रोज़िव आज रायपुर में आयोजित कृषि में अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा एवं अनुसंधान सहयोग विषयक संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर दोनों संस्थानों के मध्य शिक्षा एवं अनुसंधान में सहयोग हेतु समझौता पत्रों का आदान-प्रदान हुआ। समझौते के तहत कृषि, पर्यावरण, जल संरक्षण, सगंध एवं औषधीय पौधों का उत्पादन, खाद्य प्रसंस्करण, जैव प्रौद्योगिकी और उद्यमिता विकास जैसे क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान कार्य किए जाएंगे। इससे इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान के अवसर प्राप्त होंगे।

संगोष्ठी की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने की। कार्यक्रम को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्व महानिदेशक डॉ. आर.सी. अग्रवाल, सहायक महानिदेश डॉ. सीमा जग्गी एवं डॉ. रवि प्रकाश दानी ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर उज्बेकिस्तान के वैज्ञानिकों ने विश्वविद्यालय परिसर में उपलब्ध अधोसंरचनाओं, अनुसंधान प्रक्षेत्रों एवं प्रयोगशालाओं का अवलोकन किया। गौरतलब है कि 17 अप्रैल 2025 को हुए समझौते के अंतर्गत दोनों विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोध स्तर पर अध्ययन कर सकेंगे तथा प्राध्यापक एवं वैज्ञानिक संयुक्त अनुसंधान करेंगे।

प्रो. रोज़िव ने बताया कि उनके संस्थान में 4 संकाय, 14 विभाग एवं 34 पाठ्यक्रम संचालित होते हैं जिनमें लगभग 8 हजार विद्यार्थी अध्ययनरत हैं तथा 7 देशों के साथ अनुसंधान सहयोग किया जा रहा है।

उन्होंने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के विद्यार्थियों एवं वैज्ञानिकों को उज्बेकिस्तान आने का आमंत्रण भी दिया। संगोष्ठी में कृषि शिक्षा सुधार, अनुसंधान सहयोग और कृषि व्यवसाय से जुड़े विविध विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

आदि कर्मयोगी अभियानः केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं से लाभान्वित होंगे जनजातीय परिवार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में जनजाति समुदाय के लिए संचालित केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ जनजातीय परिवारों तक पहुंचानें के लिए आदिकर्मयोगी अभियान संचालित किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आदि कर्मयोगी अभियान को 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2025 के मध्य जोर-शोर के साथ सेवा पर्व के रूप में संचालित करने का आह्वान किया है।

छत्तीसगढ़ में आजादी के अमृतकाल में वर्ष 2047 तक विकसित भारत की संकल्प को पूरा करने में सबकी सहभागिता से यह अभियान संचालित किया जाएगा। इस अभियान के लिए राज्य के 28 जिलों के 138 विकासखंडो में 1 लाख 33 हजार वॉलंटियर्स को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य है। आदिकर्मयोगी अभियान में विभिन्न विभागों के समन्वय से जनजातीय परिवारों को लाभान्वित किया जाएगा। स्थानीय जन प्रतिनिधि भी इस अभियान में सक्रिय भागीदारी देंगे।

आदिकर्मयोगी अभियान अंतर्गत जनजातीय बाहुल्य गांवों में बुनियादी अधोसंरचना और सुविधाओं में जो भी 'क्रिटिकल गैप' हैं, उनकी पहचान की जाएगी। स्थानीय प्रशासन के माध्यम से इन कमियों को दूर करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। इससे हर ग्राम बुनियादी सुविधाओं से संतृप्त होगा। आदिकर्मयोगी अभियान संचालित करने के लिए राजधानी रायपुर में राज्य स्तरीय उन्नमुखीकरण एवं जिला मास्टर टेऊनर्स के द्वितीय चरण के चार दिवसीय प्रशिक्षण का पूर्ण कर लिया गया है। इसके बाद विकासखण्डों और गांवों में चिन्हांकित आदिकर्मयोगी को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री साय ने आदिकर्मयोगी अभियान के संबंध में 6 अगस्त को आयोजित बैठक में इस कार्यक्रम को प्राथमिकता देते हुए इस कार्य को जमीनी स्तर क्रियान्वित करने के लिए ठोस रणनीति तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री साय की संवेदनशील पहल से दुर्योधन राम को मिलेगा नया सहारा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की संवेदनशील पहल से दुर्योधन राम की जिंदगी एक बार फिर नई मुस्कान से भर उठेगी। लगभग 10 वर्ष पूर्व हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में दुर्योधन का दायां पैर काटना पड़ा था। यह घटना उनके लिए एक बड़ा सदमा थी। मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय ने उनकी पीड़ा को समझते हुए उन्हें रायपुर इलाज के लिए भेजने का निर्णय लिया है, जहां दुर्योधन को कृत्रिम पैर लगाया जाएगा।

मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करने वाले ग्राम बोकी कारीताला निवासी दुर्योधन के लिए यह दुर्घटना मानो जीवन पर पहाड़ टूटने जैसा थी। परिवार की जिम्मेदारियों के बीच अच्छे अस्पताल में इलाज कराना उनके लिए बेहद कठिन था। उनकी सबसे बड़ी इच्छा यही थी कि उन्हें कृत्रिम पैर मिल सके ताकि उसे अपने कामकाज में आसानी हो। उन्होंने मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत कर अपनी व्यथा साझा की और कृत्रिम पैर लगवाने का निवेदन किया। आवेदन पर संजीदगी से संज्ञान लेते हुए कैंप कार्यालय ने तुरंत पहल की और

उन्हें इलाज हेतु रायपुर भेजने का प्रबंध किया।

अपनी खुशी व्यक्त करते हुए दुर्योधन राम ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आम जनता की तकलीफों को अपना समझते हैं। कैंप कार्यालय हमेशा ही आम आदमी की मदद के लिए तत्पर रहता है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निजी निवास बगिया स्थित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय आमजन के लिए उम्मीद और सहारा का केंद्र बन चुका है। यहां स्वास्थ्य की समस्या से जूझते बगिया पहुंचने वाले जरूरतमंद लोगों को हर संभव मदद भी सुनिश्चित की जाती है।मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जिला प्रशासन ने सुलभ, त्वरित और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्वास्थ्य मितान हेल्पलाइन की शुरुआत की है। यह हेल्पलाइन सेवा जिले के उन लोगों के लिए एक वरदान साबित हो रही है।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने जिला चिकित्सालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आज बालोद जिले के प्रवास के दौरान जिला चिकित्सालय बालोद का निरीक्षण कर अस्पताल के व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने जिला चिकित्सालय बालोद के सभाकक्ष में स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारियों की बैठक लेकर जिले के स्वास्थ्य सुविधाओं का पड़ताल किया।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रत्येक नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल है। उन्होंने बैठक में उपस्थित अधिकारियों को आम जनता को बेहतर से बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने हेतु जरूरी उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री श्री

जायसवाल ने जिला चिकित्सालय बालोद में निश्चेतना विशेषज्ञ, नाक, कान एवं गला रोग विशेषज्ञ एवं रेडियोलॉजिस्ट सहित 03 विशेषज्ञ चिकित्सकों के अलावा जिले के अनुसूचित क्षेत्रों एवं दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को त्वरित स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने की दृष्टि से बालोद जिले के लिए 04 मोबाईल मेडिकल यूनिट शीघ्र प्रदान करने की भी जानकारी दी। इसके अलावा उन्होंने जिला चिकित्सालय बालोद में भर्ती मरीजों के परिजनों के विश्राम हेतु जिला चिकित्सालय परिसर में अतिरिक्त भवन निर्माण हेतु 25 लाख रुपये प्रदान करने की भी घोषणा की।

इसके अलावा उन्होंने जिले के जनप्रतिनिधियों से सुझाव लेकर जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में आवश्यकतानुसार शव गृहों के निर्माण के साथ-साथ वहाँ पर फ्रीजर आदि सभी सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके लिए उन्होंने जरूरी मदद उपलब्ध कराने की बात कही। इस मौके पर संजारी बालोद विधानसभा क्षेत्र की विधायक संगीता सिन्हा, डौण्डीलोहारा विधानसभा क्षेत्र की विधायक अनिला भेड़िया, गुण्डरदेही विधानसभा क्षेत्र के विधायक कुंवर सिंह निषाद, जिला पंचायत अध्यक्ष तारणी पुष्पेन्द्र चंद्राकर, सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के अलावा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जेएल उइके, मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. आरके सहित स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों तथा अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने जिला चिकित्सालय बालोद के निरीक्षण के दौरान पंजीयन कक्ष में पहुँचकर अस्पताल में प्रतिदिन भर्ती होने वाले मरीजों की औसतन संख्या के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने जिला चिकित्सालय के ओपीडी कक्ष, आपात चिकित्सा कक्ष के अलावा अस्पताल के विभिन्न कक्षों का मुआयना किया।

इस दौरान उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डों में पहुँचकर मरीजों का हाल-चाल जाना। उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों से बातचीत कर उनके स्वास्थ्य का हालचाल के अलावा उनका इलाज, दवाइयों की समुचित उपलब्धता, समय पर भोजन, नाश्ता आदि सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। इसके अलावा उन्होंने अस्पताल के वार्डों एवं स्नानागार की स्थिति एवं समय पर चिकित्सकों एवं चिकित्सा कर्मियों की उपलब्धता के संबंध में भी जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने पुरूष मेडिकल वार्ड में भर्ती दल्लीराजहरा के मरीज रामप्रसाद एवं बालोद निवासी चेतन प्रकाश से बातचीत कर उनके स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने मौके पर उपस्थित चिकित्सकों को तलब कर मरीजों के बेहतर इलाज के लिए निर्देशित भी किया।

पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना से नाथूराम साहू बने आत्मनिर्भर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केंद्र और राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्य घर रू मुफ्त बिजली योजना जिले के हितग्राहियों के लिए बड़ी राहत साबित हो रही है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य आवासीय घरों को सौर ऊर्जा से आत्मनिर्भर बनाना है। इस योजना के तहत 5 किलोवाट तक के सोलर रूफ्टॉप सिस्टम पर केंद्र सरकार द्वारा 78 हजार रुपए और राज्य सरकार द्वारा 30 हजार रुपए की सब्सिडी दी जाती है।

अब तक महासमुंद जिले में 319 घरों में सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित हो चुके हैं और 230 हितग्राहियों को सब्सिडी का लाभ मिल चुका है। इससे अक्षय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा तो मिल ही रहा है, साथ ही ऊर्जा आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी बड़ा कदम साबित हो रहा है। महासमुंद जिला मुख्यालय के पुराने रावणभांटा निवासी नाथूराम साहू ने भी इस योजना का लाभ उठाया है।

उन्होंने अपने घर की छत पर 5 किलोवाट क्षमता का सौर पैनल सिस्टम स्थापित कराया है। श्री साहू ने बताया कि फैक्ट्री और बड़ी दुकानों में सोलर पैनल देखकर उन्हें प्रेरणा मिली और 6 माह पूर्व योजना के लिए आवेदन किया।

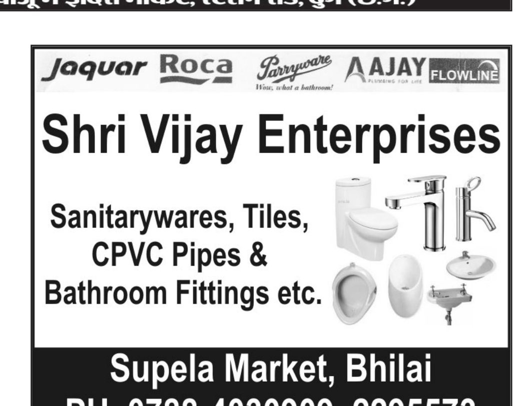

खास खबर

अज्ञात वाहन ने मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों को मारी टक्कर, एक की मौत, दो घायल

धमतरी। जिले में एक बार फिर रफ्तार का कहर देखने को मिला है, जहां बाइक सवार तीन युवकों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिसके चलते इस हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिनका उपचार किया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि कुरुद क्षेत्र के ग्राम आवरी निवासी ओमकेश्वर ध्रुव निवासी अवरी अपने साथियों के साथ हमाली (मजदूरी) करने सेमरा की एक राइस मिल गया था। वहीं से बीती रात तीनों एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर वापस घर आ रहे थे। रास्ते में भखारा के ग्राम सेमरा के पास अज्ञात वाहन ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। ग्रामीणों द्वारा सड़क हादसे की सूचना पुलिस को दी गई, सूचना मिलते ही भखारा पुलिस मौके पर पहुंची और हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए तीनों युवकों को एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टर ने जांच के बाद ओमकेश्वर को मृत घोषित कर दिया। वहीं दोनों घायलों का इलाज अस्पताल में जारी है, फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

खेत से घर लौट रहे किसान पर भालुओं ने किया हमला, घायल

गौरेला पेंड्रा मरवाही। घर से खेत लौट रहे किसान पर 3 भालुओं ने हमला कर दिया। हमले में किसान के सिर और चेहरे सहित दोनों आंखों में गंभीर चोट आई हैं। जिसे ग्रामीण और परिजन तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद किसान को बेहतर उपचार के लिए बिलासपुर सिम्स रेफर कर दिया गया है। वहीं, ग्रामीणों का आरोप है कि मामले की जानकारी वन विभाग को देने के बाद भी वे नहीं पहुंचे।

पूरी घटना मरवाही वन मंडल के मरवाही वन परिक्षेत्र की है, जहां पर साल्हेकोटा गांव में रहने वाले श्रीराम नागेश खेत से वापस घर की ओर आ रहा था। उसी दौरान गांव के पास अचानक श्रीराम नागेश के सामने एक मादा भालू अपने दो शावकों के साथ जा रही थी और उनकी नजर श्रीराम पर पड़ गई। अचानक भालुओं से सामना होने के बाद वह डर गया। इससे पहले कि उसे कुछ समझ आता, उससे पहले ही तीनों भालुओं ने श्रीराम पर हमला कर दिया। श्रीराम की चीखने चिल्लाने की आवाज सुनकर ग्रामीण वहां पहुंचे और शोर मचाकर भालुओं को भगाया।

जिसके बाद गंभीर हालत में श्रीराम को जिला अस्पताल लाया गया। जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने बेहतर उपचार के लिए बिलासपुर रेफर कर दिया है। श्रीराम के सिर चेहरे पर गंभीर चोट आई है और दोनों आंखों पर भी भालुओं ने हमला कर नोच दिया है। वहीं, गांव के सरपंच ने घटना की जानकारी वन विभाग को भी दी। लेकिन सूचना के बाद भी उन्होंने पीड़ित व पीड़ित के परिजनों से संपर्क नहीं किया, जिसे लेकर ग्रामीण नाराज हैं।

नक्सली स्मारक पर फहराया तिरंगा, बोला- भारत माता की जय, बौखलाए नक्सलियों ने कर दी हत्या

श्रीकंचनपथ

कांकेर। आजाद भारत में छत्तीसगढ़ की कांकेर की जमीं पर एक युवक को देश भक्ति की सजा मौत की कुर्बानी देकर चुकानी पड़ी । नक्सली अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। छत्तीसगढ़ में लगातार नक्सल ऑपरेशन चलाये जाने के बावजूद नक्सली हैवानियत और दशहत पर उतारू हैं। मामला कांकेर का है। जहां एक युवक ने स्वतंत्रता दिवस पर 15 अगस्त को नक्सली स्मारक पर तिरंगा फहराया और भारत माता के जयकारे लगाये। इस बात की भनक नक्सलियों को लगने पर उन्होंने मानवता की सारी हदें पार करते हुए युवक की बड़ी ही बेरहमी से हत्या कर मौत के घाट उतार दिया।

नक्सलियों की नापाक हरकत

कायर नक्सलियों ने आजादी का जश्न मनाने वाले युवक की बड़ी ही बेरहमी के साथ नृशंस हत्या कर दी। 15 अगस्त को 38 साल के मनेश नरेटी को नक्सलियों ने मौत के घाट उतार दिया। दो दिन पूर्व नक्सलियों की इस नापाक हरकत का खुलासा हुआ। बताया जाता है नक्सलियों ने नरेटी को बिना गुंडा क्षेत्र के सुनसान इलाके में ले जाकर बेरहमी से किसी धारदार हथियार से हत्या कर दी। कांकेर पुलिस मामला दर्ज कर जांच पड़ताल में लगी है।

नक्सलियों को नहीं भाया आजादी का जश्न

वीडियो में दिख रहा है कि अब युवक नरेटी ग्रामीणों के साथ पूजा अर्चना करके बाद ध्वजारोहण कर रहा है। साथ में 15 से 20 नन्हे-मुन्हे बच्चे भी हैं जो आजादी का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मना रहे हैं। वीडियो में युवक नक्सली स्मारक पर तिरंगा फहराते और भारत माता की जय के नारे लगाते नजर आ रहा है। नरेटी का देश प्रेम और आजादी का जश्न नक्सलियों को रास नहीं आया और उन्होंने उसकी निर्दयता के साथ हत्या कर दी।

बस्तर में नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई जारी है। फोर्स नक्सलियों का खात्मा करने में लगी हुई है। इसी क्रम में उन्होंने नक्सलियों के स्मारक को ध्वस्त किया था। अपने क्षेत्र में नक्सलवाद को खत्म होते देखकर युवक काफी खुश था और और इस बार दोगुने उत्साह के साथ आजादी का जश्न मना रहा था पर उसे क्या मालूम था ये उसकी अंतिम खुशी थी।

बिना गुंड़ा एरिया में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने लिया था संकल्प

बता दें कि ये वहीं बिना गुंड़ा एरिया है जहां गृहमंत्री अमित शाह ने नक्सलियों के खिलाफ नक्सल ऑपरेशन शुरू किया था। मार्च 2026 से पहले छत्तीसगढ़ सहित देश को नक्सलमुक्त करने का संकल्प लिया था। उनके एलान के बाद जवानों ने 29 नक्सलियों को एनकाउंटर में मार गिराया था।

पुलिस की बड़ी कार्रवाईः पशु तस्करी पर नकेल, 45 भैंसों को कराया मुक्त

श्रीकंचनपथ

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में गुरुवार को पुलिस ने कृषिक पशु तस्करी के खिलाफबड़ी कार्रवाई की। तारलागुड़ा थाना क्षेत्र में की गई इस दबिश के दौरान पुलिस ने 45 भैंसों को तस्करों के कब्जे से मुक्त कराया और एक आरोपी को गिरफ्तार किया। इस तरह अब तक जिले में चलाए गए विशेष अभियान के तहत कुल 13 तस्करों की गिरफ्तारी और 234 मवेशियों की मुक्ति दर्ज की जा चुकी है। जंगल से पकड़ाया तस्कर पुलिस को सूचना मिली थी कि तारलागुड़ा क्षेत्र के जंगल और पहाड़ी रास्तों से मवेशियों को तेलंगाना की ओर ले जाया जा रहा है। जानकारी के आधार पर पुलिस ने जब नया तारलागुड़ा जंगल में दबिश दी, तो वहां मवेशियों को अवैध रूप से ले जाया जा रहा था।

मौके से गिरफ्तार आरोपी की पहचान केजी. सन्यासी (56 वर्ष), निवासी भोपालपटनम के रूप में हुई। गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में आरोपी पशुओं के परिवहन से जुड़े किसी भी वैध दस्तावेज को प्रस्तुत नहीं कर सका।

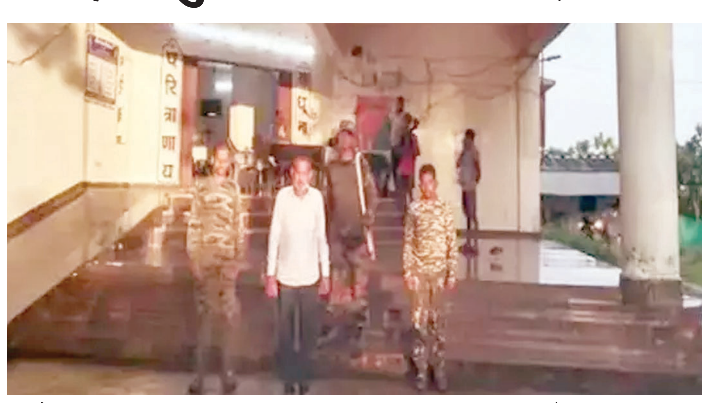

इसके चलते पुलिस ने गवाहों की मौजूदगी में सभी 45 भैंसों को जब्त कर ग्राम पंचायत तारलागुड़ा के सरपंच और सचिव को सौंप दिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ छत्तीसगढ़ कृषिक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 के तहत मामला दर्ज किया गया है। उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिले में इस तरह की अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

बीजापुर पुलिस की इन कार्रवाइयों ने यह साफ संदेश दिया है कि कृषिक पशु तस्करी और अवैध व्यापार को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मवेशियों को पड़ोसी राज्यों में ले जाकर बेचने का गोरखधंधा लंबे समय से क्षेत्र की समस्या रहा है। लेकिन हालिया ताबड़तोड़ कार्रवाई से तस्करों के हौसले पस्त हुए हैं। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि आने वाले समय में भी जंगलों और सीमावर्ती इलाकों में सघन चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। पशुओं को अवैध तरीके से परिवहन करने वालों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी और दोषियों को जेल भेजा जाएगा।

कार्रवाई में अब तक 234 पशु कराया गया मुक्त

बीजापुर पुलिस ने पिछले एक माह में पशु तस्करी के खिलाफकई चरणों में अभियान चलाया है। आंकड़ों पर नजर डालें तो 21 जुलाई, थाना मद्देड़ः 7 तस्कर गिरफ्तार, 83 पशु मुक्त 22 जुलाई, थाना तारलागुड़ाः 3 तस्कर गिरफ्तार, 16 पशु मुक्त 6 अगस्त, थाना तारलागुड़ाः 2 तस्कर गिरफ्तार, 90 पशु मुक्त 21 अगस्त, थाना तारलागुड़ाः 1 तस्कर गिरफ्तार, 45 पशु मुक्त इस तरह कुल 13 तस्करों को जेल भेजा गया और 234 पशुओं को बंधनमुक्त कराया गया। ग्रामीणों को सौंपे गए मवेशी जप्त किए गए पशुओं को ग्राम पंचायत स्तर पर सौंपना प्रशासन की पारदर्शी नीति का हिस्सा है। सरपंच और सचिव को इन पशुओं की देखरेख की जिम्मेदारी दी गई है। स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन की इस तत्परता की सराहना की और इसे पशु संरक्षण की दिशा में सकारात्मक कदम बताया।

मवेशियों के मालिक पर पुलिस ने की कार्रवाई, खुला छोड़ने पर FIR दर्ज

श्रीकंचनपथ

राजनांदगांव। सड़क पर मवेशी छोड़े जाने वाले मवेशी मालिकों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। राजनांदगांव में सड़क पर बैठे मवेशियों के मालिकों की पहचान कर 7 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। गुरुवार को पुलिस ने अलग-अलग हिस्से में अभियान चलाया, जहां नेशनल हाईवे और दूसरी सड़कों पर मौजूद मवेशियों को हटाया गया। इसके बाद इन मवेशी मालिकों की पहचान की गई। मवेशी मालिकों की पहचान होने के बाद सोमनी पुलिस ने 5 मवेशी मालिक और बसंतपुर पुलिस ने 2 मवेशी मालिक पर धारा 291 एवं 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देश और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन में नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन, थाना प्रभारी सोमनी प्रमोद श्रीवास्तव ने विशेष अभियान चलाया। इस अभियान में पशु चिकित्सा विभाग, गौ रक्षा समिति और गौ सेवक भी शामिल रहे। टीम ने जीई रोड पर बैठे मवेशियों के मालिकों की पहचान की और उनके खिलाफ कार्रवाई की। टेक नंबर का विश्लेषण कर दोषी पाए गए मालिकों पर अपराध दर्ज किया गया है।

पुलिस ने बताया कि सड़क पर मवेशी छोड़कर जनसुरक्षा को खतरे में डालने वाले जिन लोगों पर प्रकरण दर्ज किया गया है, उनमें दुर्जन साहू, योगेश्वर यादव (दोनों निवासी टेडेसरा, थाना-सोमनी), चंद्रकांत साहू, छगन लाल यादव, अस्थिर राम साहू (तीनों निवासी अंजोरा) शामिल हैं। सभी के खिलाफ धारा 291 एवं 3 (5) बीएनएस के तहत अपराध कायम किया गया है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, युवती 7 माह की गर्भवती, आरोपी गिरफ्तार, घटना आरंग थाना क्षेत्र की

श्रीकंचनपथ

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के आरंग थाना क्षेत्र से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक युवक ने प्रेम संबंध में फंसाकर शादी का झांसा दिया और लंबे समय तक युवती से शारीरिक संबंध बनाए। इस दौरान युवती गर्भवती हो गई। अब जब गर्भ सातवें महीने में पहुंच गया, आरोपी युवक ने युवती को अपनाने से साफ इंकार कर दिया। पीड़िता की शिकायत पर आरंग पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

आरोपी ने प्यार का जाल बिछाकर किया शोषण आरंग थाना प्रभारी राजेश सिंह ने बताया कि आरोपी युवक का नाम नोमेश कहार है। उसने गांव की एक युवती को प्रेम जाल में फंसाया। आरोपी ने शादी का वादा किया और इसी बहाने उससे कई बार संबंध बनाए। कुछ महीनों बाद युवती गर्भवती हो गई। मामला गांव के लोगों तक पहुंचा तो जब पीड़िता गर्भावस्था के चौथे महीने में थी, उस समय पंचायत बुलाई गई थी। ग्रामीणों के दबाव में आरोपी युवक ने पीड़िता को कुछ समय अपने साथ रखा। ग्रामीणों को उम्मीद थी कि वह शादी करके युवती को सामाजिक सम्मान देगा। लेकिन समय बीतने के साथ युवक का रवैया बदलता चला गया।

पुलिस के अनुसार अब जबकि पीड़िता सातवें महीने की गर्भवती है, आरोपी ने उसे अपनाने से साफ मना कर दिया। परेशान युवती ने अपनी पीड़ा आरंग थाने में सुनाई। उसने बताया कि नोमेश ने उसे कई बार धोखा दिया और अब उसे अकेला छोड़ दिया है। शिकायत मिलते ही पुलिस ने गंभीरता से मामले की जांच की और आरोपी नोमेश कहार को गिरफ्तार कर लिया। उसे भारतीय न्याय संहिता (ब्हृस) की धारा 69 और 351(02) के तहत अपराध दर्ज कर जेल भेज दिया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि यह अपराध शादी का झांसा देकर दुष्कर्म और धोखाधड़ी की श्रेणी में आता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि शादी का झांसा देकर बनाए गए शारीरिक संबंधों को कानून गंभीर अपराध मानता है। कई बार ऐसे मामलों में आरोपी बचने की कोशिश करते हैं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट ने अपने फैसलों में इसे बलात्कार के समान अपराध माना है। वर्तमान में युवती सात माह की गर्भवती है। ग्रामीणों और पुलिस दोनों का कहना है कि उसकी सुरक्षा और स्वास्थ्य पर ध्यान देना जरूरी है। पुलिस अब मेडिकल जांच रिपोर्ट और पीड़िता के बयान के आधार पर मामले को अदालत में पेश करेगी।

डिजिटल अरेस्ट ठगी में शामिल कंबोडिया गैंग के 5 सदस्य हुए गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ

रायपुर। छत्तीसगढ़ पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन साइबर शील्ड के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय ठग गिरोह के 5 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपी डिजिटल अरेस्ट के नाम पर लोगों को फंसाकर करोड़ों की ठगी कर रहे थे। पुलिस ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र से आरोपियों को दबोचने में सफलता हासिल की है। रायपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा के निर्देश पर रेंज साइबर थाना रायपुर ने कार्रवाई करते हुए दो महत्वपूर्ण मामलों का खुलासा किया।

केस 1: प्रार्थी रामेश्वर प्रसाद देवांगन ने शिकायत दर्ज कराई थी कि कुछ अज्ञात मोबाइल नंबर धारकों ने खुद को सीबीआई और आरबीआई अधिकारी बताकर उनसे संपर्क किया। आरोपियों ने प्रार्थी को झूठी कहानी सुनाई कि उनके मोबाइल नंबर के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज हुआ है। पीड़ित को 24 घंटे तक व्हाट्सएप वीडियो कॉल पर निगरानी में रहने के लिए मजबूर किया गया और इस दौरान उससे 14 लाख रुपए की ठगी कर ली गई।

इस मामले में थाना पुरानी बस्ती में अपराध क्रमांक 282/25 धारा 318(4), 3(5) बीएनएस और 66(D) आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

केस 2: प्रार्थी संतोष दाबडघाव के साथ भी इसी तरह का डिजिटल अरेस्ट फ्रॉड किया गया। आरोपियों ने खुद को दूरसंचार विभाग, बेंगलुरु और मुंबई पुलिस का अधिकारी बताकर धमकाया कि उनके नाम से मनी लॉन्ड्रिंग केस दर्ज है। पीड़ित को लगातार वीडियो कॉल पर रखकर मानसिक दबाव बनाया गया और उससे 88 लाख रुपए की ठगी कर ली गई। इस मामले में थाना पुरानी बस्ती में अपराध क्रमांक 305/24 दर्ज किया गया है। दोनों मामलों को मिलाकर ठगों ने 1.02 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की।

आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी मामलों की गंभीरता को देखते हुए आईजी अमरेश मिश्रा ने रेंज साइबर थाना रायपुर को तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण करने और मुख्य आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। पुलिस टीमों ने कॉल डिटेल, बैंक खातों और लेनदेन का विश्लेषण कर ठगों की लोकेशन ट्रेस की। आरोपी घटना के बाद अलग-अलग राज्यों में छिप गए थे। पुलिस की विशेष टीमों को दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र भेजा गया।

कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस ने गिरोह के 5 सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी मनीष पाराशर, पिता अशोक कुमार, उम्र 27 वर्ष, निवासी गोकुलपुरी, नॉर्थ ईस्ट दिल्ली अर्जुन सिंह, पिता ब्रह्मा देव, उम्र 25 वर्ष, निवासी सियामल पटैनी, हाथरस, उत्तर प्रदेश राहुल मर्कड, पिता सुभाष बाबूराव, उम्र 40 वर्ष, निवासी अहमदनगर, महाराष्ट्र आकाश तुषरानी, पिता इंदरलाल, उम्र 33 वर्ष, निवासी उल्लासनगर, ठाणे, महाराष्ट्र लखन जाटव, पिता दीपचंद, उम्र 36 वर्ष, निवासी उज्जैन, मध्यप्रदेश इनमें से मनीष पाराशर और अर्जुन सिंह पीड़ितों को कॉल कर डिजिटल अरेस्ट का झांसा देने का काम करते थे, जबकि राहुल मर्कड, आकाश तुषरानी और लखन जाटव ठगी से प्राप्त रकम को इधर-उधर करने और हवाला चैनल के जरिए आगे बढ़ाने में शामिल थे।

पुलिस का बयान आईजी रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा ने बताया कि साइबर अपराधियों ने अंतरराष्ट्रीय गैंग कंबोडिया कनेक्शन से जुड़े तरीकों का इस्तेमाल किया। यह गिरोह लोगों को सरकारी अधिकारी बनकर डराता था और फिर उन्हें डिजिटल अरेस्ट यानी लगातार वीडियो कॉल पर रखकर मानसिक दबाव डालता था। इसी दौरान उनके बैंक खातों से लाखों-करोड़ों की रकम उड़ा ली जाती थी। उन्होंने कहा कि पुलिस की त्वरित कार्रवाई से न केवल आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है बल्कि ठगी की रकम को भी होल्ड और जब्त करने की प्रक्रिया जारी है।

डिजिटल अरेस्ट साइबर ठगी का नया तरीका है। इसमें अपराधी खुद को पुलिस, सीबीआई, आरबीआई या दूरसंचार विभाग का अधिकारी बताकर पीड़ित को डराते हैं कि उसके नाम पर गंभीर अपराध दर्ज है। इसके बाद उसे 24 घंटे वीडियो कॉल पर निगरानी में रहने का दबाव डालते हैं। इस दौरान वे पीड़ित के बैंक अकाउंट की डिटेल और लेनदेन पर कब्जा कर उसकी पूरी बचत निकाल लेते हैं। आगे की कार्यवाही गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल दाखिल किया गया है। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क के कंबोडिया और अन्य विदेशी लिंक की जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि इस गिरोह ने देशभर में और किन-किन राज्यों में लोगों को डिजिटल अरेस्ट का शिकार बनाया है।

दो गुटों में भिड़ंत, छात्र की हालत नाजुक

रायपुर। थाना तेलीबांधा क्षेत्र अंतर्गत मैक कॉलेज के वार्षिक उत्सव कार्यक्रम के दौरान दो गुटों के बीच लड़ाई-झगड़ा और मारपीट हो गई। इस घटना में भागिन्दर सिंह ढिल्लन (19 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार कालेज के प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों के बीच कार्यक्रम के दौरान विवाद हुआ, जिसे बाद में आपसी सुलह कर निपटा लिया गया। लेकिन थोड़ी देर बाद आरोपी प्रथम अग्रवाल और केफअहमद अन्य साथियों के साथ पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद आरोपियों ने भागिन्दर सिंह पर हाथ-मुक्कों से हमला कर दिया।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई

जोन क्रमांक-04 शिवाजी नगर

क्र./लो.क.वि./जोन 04/2025/616/189A भिलाई, दिनांक 21/8/2025

// निविदा संशोधन सूचना //

नगर पालिक निगम, भिलाई द्वारा कार्यालयीन निविदा सूचना विज्ञप्ति क्र./लो.क.वि./जोन-04/2024/593 भिलाई दिनांक 11.08.2025 दैनिक समाचार पत्र श्रीकंचनपथ में दिनांक 16.08.2025 को प्रकाशित किया गया था। उक्त जारी निविदा में आवेदन तिथि को स्थानीय अवकाश घोषित होने के कारण उल्लेखित तिथियों के स्थान पर निम्नानुसार उल्लेखित संशोधित सही तिथियां पढ़ा जावे।

क्र.	विवरण	पूर्व में अंकित तिथि	संशोधित सही तिथि
1.	निविदा आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि	27.08.2025	29.08.2025
2.	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि	02.09.2025	04.09.2025
3.	निविदा खोले जाने की तिथि	03.09 2025	05.09.2025

जोन आयुक्त
जोन-04 शिवाजी नगर
नगर पालिक निगम, भिलाई

राज्य स्तरीय भू-वैज्ञानिक कार्यक्रम मंडल छत्तीसगढ़ 2025 की रजत महोत्सव की 25 वीं बैठक

खनन क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की बड़ी छलांग: 15 हजार करोड़ से अधिक का राजस्व, नए खनन प्रोजेक्ट से मिली विकास को नई गति

खनिज किसी भी राज्य और देश के सर्वांगीण विकास की रीढ़ होती है: पी. दयानंद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य स्तरीय भू-वैज्ञानिक कार्यक्रम मंडल छत्तीसगढ़ की रजत महोत्सव के रूप में 25वी बैठक सिविल लाईन स्थित न्यू सर्किट हाऊस में पी. दयानंद, सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, खनिज साधन विभाग एवं अध्यक्ष छत्तीसगढ़ भू-वैज्ञानिक कार्यक्रम मंडल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में रजत बंसल, संचालक भौमिकी तथा खनिकर्म एवं केन्द्र सरकार तथा राज्य शासन के विभिन्न विभागो, उपक्रमों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में खनिज संसाधनों के बेहतर उपयोग, नए खनन परियोजनाओं की रूपरेखा तैयार करना और गत वर्ष की उपलब्धियों की समीक्षा करना रहा।

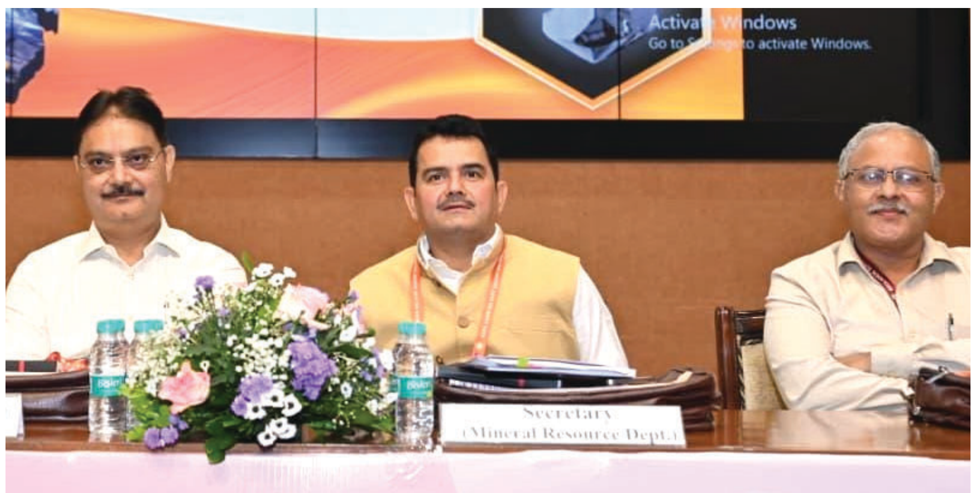

बैठक में वर्ष 2024-25 के दौरान पूरे हुए खनन कार्यों और उनसे प्राप्त उपलब्धियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया। समीक्षा के दौरान यह तथ्य सामने आया कि पिछले वित्तीय वर्ष में प्रदेश को खनिज राजस्व के रूप में लगभग 15 हजार करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई है। यह उपलब्धि वर्ष 2023-24 की तुलना में लगभग 34 प्रतिशत अधिक है। इस वृद्धि ने न केवल प्रदेश के आर्थिक ढांचे को मजबूती दी है, बल्कि खनन क्षेत्र में नए निवेश और अवसरों के द्वार खोले हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य में खनिज अन्वेषण एवं खनिज दोहन के क्षेत्र में कार्यरत भारत सरकार एवं राज्य सरकार के विभागों एवं संस्थानों के द्वारा वर्ष 2024-25 में किये गये भू-वैज्ञानिक कार्यों की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जहां वर्ष 2024-25 के सम्पादित कार्यों की उपलब्धियों पर चर्चा की गई वही प्रदेश में पाये जाने वाले खनिजों की खोज के लिए वर्ष 2025-26 में प्रस्तावित भू-वैज्ञानिक कार्यों को अंतिम रूप दिया गया।

मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानंद ने अपने उद्बोधन में कहा कि खनिज किसी भी राज्य और देश के सर्वांगीण विकास की रीढ़ होती है। राज्य में स्ट्रेटजिक एवं क्रिटिकल मिनरल की खोज राज्य में विकास के एक नए युग की शुरूआत का संकेत देती है। उन्होने कहा कि छत्तीसगढ़ में खनिज अधारित नये उद्योगों की स्थापना के लिए राज्य में विद्यमान विभिन्न खनिजों का सतत् एवं व्यवस्थित तरीके से अन्वेषण किया जाना चाहिए। बैठक में उपस्थित अन्वेषण कार्यों से संबद्ध सभी विभागों एवं संस्थानों से यह आग्रह किया गया कि छत्तीसगढ़ के समग्र विकास हेतु वे अपनी कुशलता, संसाधन एवं उपलब्ध नवीनतम तकनीकियों का उपयोग कर प्रदेश में पाये जाने वाले महत्वपूर्ण खनिजों का अन्वेषण करे। मुख्यमंत्री के सचिव और खनिज सचिव दयानंद ने छत्तीसगढ़ में खनिज के विकास के लिए कार्य करने वाली एजेंसियों के मध्य उत्पादित आंकड़ों के साझा किये जाने एवं समन्वय स्थापित किये जाने की सलाह दी।

बैठक में संचालक भौमिकी तथा खनिकर्म छत्तीसगढ़ रजत बंसल के द्वारा क्षेत्रीय सत्र 2024-25 में सम्पन्न कार्यों की जानकारी देते हुए बताया गया कि वर्ष 2024-25 में लगभग 2500 मिलियन टन चूनापत्थर एवं लौह अयस्क के लगभग 93 मिलियन टन भण्डार आंकलित किये गये। आगामी क्षेत्रीय सत्र 2025-26 के अन्वेषण परियोजनाओं में विभाग द्वारा महत्वपूर्ण एवं रणनीतिक खनिजों को शामिल किया गया है। यह परियोजना देश के लिए आवश्यक खनिज संसाधनों की दिशा में एक निर्णायक कदम होगा। यह आत्मनिर्भर भारत मिशन को सशक्त करेगी और रणनीतिक क्षेत्रों में सतत् एवं आत्मनिर्भर विकास को प्रोत्साहित करेगी। उन्होने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन वैज्ञानिक एवं विस्तृत खनिज अन्वेषण तथा विकास को पूर्ण समर्थन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

खान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ में एनएमइटी के तहत वर्ष 2024-25 में चूनापत्थर हेतु 01 एवं बाक्साइट हेतु 01 अन्वेषण परियोजना की स्वीकृति प्राप्त हुई है। अधिसूचित निजी अन्वेषण संस्थान को एनएमइटी के तहत् राज्य के अन्वेषण कार्य हेतु दो प्रस्ताव स्वीकृत किये गये थे। जिसमें एक लिथियम, नियोबियम, टेण्टेलम, टाईटेनियम दुर्लभ मृदा धातुएँ एवं एक लौहअयस्क के प्रस्ताव सम्मिलित है। विभाग द्वारा निजी संस्थानों के साथ सहयोग को बढ़ावा देकर अन्वेषण एवं खनिज संसाधनों के परिशोधन को सशक्त बनाने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

केन्द्र सरकार तथा राज्य शासन के विभिन्न विभागों, उपक्रमों के प्रतिनिधियों द्वारा भी छत्तीसगढ़ राज्य में किये गये खनिज अन्वेषण कार्यों की जानकारियों प्रस्तुत की गई। सर्व प्रथम भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग के उप महानिदेशक डॉ. अमित धारवारकर द्वारा बताया गया कि छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में बाक्साइट, गोल्ड, ग्लूकोनाईट, लिथियम, टाईटेनियम दुर्लभ मृदा धातुएँ, फास्फोराइट, फ्लोराईट, लेड एवं जिंक खनिज हेतु सर्वेक्षण कार्य किया गया है। वर्ष 2025-26 में विभिन्न खनिजों के कुल 29 परियोजनाओं पर कार्य लिया जा रहा है।

संचालनालय भौमिकी तथा खनिकर्म, छत्तीसगढ़ द्वारा वर्ष 2025-26 में कुल 11 अन्वेषण परियोजना को सर्वेक्षण / पूर्वेक्षण कार्य हेतु अनुमोदित किया गया। जिसमें स्ट्रेटजिक एवं किटिकल मिनरल पर 02, ग्लूकोनाईट पर 02, लेपिडोलाईट पर 01, चूनापत्थर पर 02, लौह अयस्क पर 02 एवं बॉक्साइट पर 02 परियोजना सम्मिलित है।

इस अवसर पर आईबीएम रायपुर के रीजनल कंट्रोलर प्रेम प्रकाश, रीजनल माइनिंग जियोलॉजिस्ट डी. दास, जीएसआई रायपुर के डिप्टी डायरेक्टर जनरल अमित ए धारवाड़कर, एएमडी के सेंट्रल रीजन के क्षेत्रीय निदेशक एस.आर. मंथनवार सहित एन.एम.डी. सी., सीआईएल, वेदांता, अल्ट्राटेक, डेक्कन गोल्ड के अधिकारी एवं अन्य संबंधित विभाग के अधिकारीगण उपस्थित थे।

ग्राम सुराज और स्वावलम्बन की दिशा में नया संकल्प

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गाँवों के समग्र विकास और आत्मनिर्भरता की अवधारणा को साकार करने की दिशा में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा नया रायपुर स्थित ग्रामीण संपर्क एवं प्रशिक्षण संस्थान, झांझ में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला की अध्यक्षता उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने की। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य ग्राम सभा को और अधिक मजबूत बनाना तथा ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर, उत्तरदायी और निर्णायक बनाने की दिशा में ठोस पहल करना था। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र की असली शक्ति गाँव की चौपाल और ग्राम सभा में निहित है। ग्राम सभा के निर्णय ही गाँव के विकास का आधार बन सकते हैं और इसीलिए आवश्यक है कि पंचायतें न केवल योजनाओं को लागू करें बल्कि जनता की आकांक्षाओं को दिशा देने वाली संस्था के रूप में कार्य करें।

कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागियों को पाँच अलग-अलग समूहों में विभाजित किया गया। जहाँ ग्राम सभा के सशक्तीकरण, वित्तीय विकेन्द्रीकरण, पंचायतों पर नियंत्रण, सामाजिक सहभागिता तथा अधिकार एवं कर्तव्यों के विभाजन जैसे विषयों पर गहन चर्चा की गई।

समूह चर्चा के दौरान पंचायतों की वर्तमान व्यवस्था का मूल्यांकन करते हुए अनेक महत्वपूर्ण सुझाव सामने आए, जिनसे भविष्य में ग्राम पंचायतों को और अधिक सशक्त तथा उत्तरदायी बनाने का मार्ग प्रशस्त होगा।

इस अवसर पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के त्रिस्तरीय पंचायत राज संस्थाओं के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के साथ सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यशाला में सुनील कुमार सिंह, सेवानिवृत्त सचिव भारत सरकार, प्रमुख सचिव निहारिका बारिक सिंह, सचिव भीम सिंह, नरेगा आयुक्ततारन प्रकाश सिन्हा, पंचायत संचालक श्रीमती प्रियंका ऋषि महोबिया, स्वच्छ भारत मिशन के मिशन संचालक अश्वनी देवांगन सहित जिला एवं जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, ग्राम पंचायत सचिव और रोजगार सहायक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में टीआरआई फाउंडेशन, यूनिसेफ पिरामल फाउंडेशन और समर्थन जैसी प्रतिष्ठित स्वयंसेवी संस्थाओं ने भी अपनी सहभागिता दर्ज करायी। सभी विशेषज्ञों और प्रतिनिधियों ने ग्रामीण विकास की नयी राह सुझाते हुए ग्राम स्वावलम्बन को साकार करने के लिए साझा प्रयास की आवश्यकता पर बल दिया।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने अंत में कहा कि पूर्ण ग्राम सुराज केवल शासन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह हर ग्रामवासी का स्वप्न है। जब ग्राम पंचायतें आत्मनिर्भर होंगी और ग्राम सभा निर्णायक बनेगी, तभी वास्तविक अर्थों में सुराज की स्थापना होगी।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने जिला चिकित्सालय बालोद में सीटी स्कैन मशीन का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बालोद जिले के प्रवास के दौरान जिला चिकित्सालय बालोद में विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश के पूजा-अर्चना के पश्चात् फीता काटकर सीटी स्कैन मशीन का विधिवत् शुभारंभ किया।

इस दौरान मंत्री जायसवाल ने जिला चिकित्सालय बालोद में मरीजों के लिए 04 करोड़ 49 लाख रुपये की लागत से सीटी स्कैन मशीन की सुविधा प्रारंभ हो जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते इसे बालोद जिले एवं अंचल के लोगों के लिए स्वास्थ्य सुविधा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण सौगात बताया। इसके लिए उन्होंने संपूर्ण बालोद जिले वासियों के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उल्लेखनीय है कि जिला चिकित्सालय में मरीजों के लिए सीटी स्कैन मशीन की सुविधा प्रारंभ हो जाना स्वास्थ्य सुविधा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण सौगात है। जिला चिकिल्सालय बालोद में इसकी सुविधा प्रारंभ हो जाने से अब जिले एवं अंचल के मरीजों को सिर में चोट, स्ट्रोक, ब्रेन ट्यूमर और अन्य मस्तिष्क संबंधी समस्याओं के अलावा फेफड़ों के संक्रमण, निमोनिया, फेफड़ों के कैंसर और हृदय संबंधी समस्याओं के अलावा पेट दर्द, ट्यूमर, पथरी एवं आंतो आदि की समस्याओं का पता लगाने के लिए सीटी स्कैन की सुविधा अत्यंत कारगर साबित होगी।

इस अवसर पर मंत्री जायसवाल एवं अतिथियों ने सीटी स्कैन कक्ष में पहुँचकर नया एवं अत्याधुनिक सीटी स्कैन मशीन का अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने सीटी स्कैन कक्ष बेहतर व्यवस्था की भी सराहना की।

पर्यावरण के प्रति जागरूक होकर ज्यादा से ज्यादा संख्या में लगाएं पौधे- अरुण साव

उप मुख्यमंत्री ने 'वीमेन फॉर ट्रीज' अभियान का किया राज्य स्तरीय शुभारंभ, प्रदेशभर में 444 परियोजनाएं स्वीकृत, 1.66 लाख पौधे लगाए जाएंगे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने रायपुर के कौशल्या विहार (कमल विहार) में 'वीमेन फॉर ट्रीज' अभियान का प्रदेश स्तरीय शुभारंभ किया। उन्होंने अभियान का शुभारंभ करते हुए कहा कि पर्यावरण के प्रति जागरूक होकर हम सभी को ज्यादा से ज्यादा संख्या में पौधे लगाना चाहिए। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, रायपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष नंद कुमार साहू, विधायक मोतीलाल साहू और रायपुर नगर निगम की महापौर मीनल चौबे भी अभियान के शुभारम्भ कार्यक्रम में शामिल हुईं। सभी ने कार्यक्रम स्थल पर सिंदूर के पौधे लगाकर 'वीमेन फॉर ट्रीज' अभियान का राज्य स्तरीय शुभारंभ किया।

केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय ने राज्य के 133 नगरीय निकायों में 444 परियोजनाओं को दी है मंजूरी

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा भारत सरकार के आवास और शहरी कार्य मंत्रालय को वीमेन फॉर ट्रीज अमृत मित्र योजना के अंतर्गत प्रदेश के 169 नगरीय निकायों में कुल दो लाख 21 हजार 145 पौधों के रोपण के लिए 37 करोड़ 79 लाख रुपए लागत की 684 परियोजनाओं के प्रस्ताव भेजे गए थे। इनमें से भारत सरकार द्वारा 27 करोड़ 48 लाख रुपए की 444 परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसके तहत एक लाख 65 हजार 997 पौधे लगाए जाएंगे। ये परियोजनाएँ 13 नगर निगमों, 39 नगर पालिकाओं तथा 81 नगर पंचायतों में क्रियान्वित की जाएंगी। शेष 201 परियोजनाएँ संशोधित कर स्वीकृति के लिए भारत सरकार को पुनः प्रेषित की गई हैं।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कार्यक्रम में कहा कि पर्यावरण संरक्षण और महिला सशक्तीकरण के लिए 'वीमेन फॉर ट्रीज' अभियान से स्वसहायता समूहों की महिलाओं को जोड़ा गया है। वे इस अभियान में चयनित स्थलों पर वृक्षारोपण करेंगी और पौधों की देखभाल एवं सुरक्षा भी करेंगी। इस अभियान से 1701 समूहों की 2300 से अधिक महिलाओं को जोड़ा गया है। भारत सरकार द्वारा अभियान के तहत राज्य के नगरीय निकायों में वृक्षारोपण के लिए 444 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं।

विधायक मोतीलाल साहू ने 'वीमेन फॉर ट्रीज' अभियान के शुभारम्भ के मौके पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर देशभर में लगातार वृक्षारोपण के काम हो रहे हैं। पर्यावरण के संरक्षण के साथ ही ग्लोबल वार्मिंग की चुनौतियों से निपटने में इससे मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि 'वीमेन फॉर ट्रीज' अभियान को महिलाओं के माध्यम से अमलीजामा पहनाया जाएगा। हम सभी को भी इसमें सहभागिता देनी है। महापौर मीनल चौबे ने कार्यक्रम में बताया कि 'वीमेन फॉर ट्रीज' अभियान के अंतर्गत रायपुर नगर निगम में 60 स्थानों पर वृक्षारोपण किया जाएगा। इसके लिए स्वसहायता समूहों की 232 महिलाओं को अभियान से जोड़ा गया है। मातृशक्ति ही इस अभियान को आगे बढ़ाएंगी। यह अभियान पर्यावरण संरक्षण के साथ ही महिलाओं को आर्थिक मजबूती प्रदान करेगा। रायपुर नगर निगम के सभापति सूर्यकांत राठौर, आयुक्त विश्वदीप, सुडा के सीईओ शशांक पाण्डेय और गजराज बांध संरक्षण समिति के अध्यक्ष पी.के. साहू सहित जोन अध्यक्षगण, एमआईसी सदस्य, पार्षदगण तथा स्थानीय नागरिक भी बड़ी संख्या में शुभारंभ कार्यक्रम में मौजूद थे।

वीमेन फ ॉर ट्रीज अभियान से महिला सशक्तीकरण और पर्यावरण संरक्षण को मजबूती मिलेगी। अभियान के अंतर्गत स्वसहायता समूहों की महिलाओं को वृक्षारोपण एवं रखरखाव की ज़िम्मेदारी दी गई है। साथ ही स्थानीय नागरिकों की भागीदारी भी इसमें सुनिश्चित की जा रही है।

राष्ट्रीय स्तर पर इस अभियान के प्रथम चरण में बड़े राज्यों की श्रेणी में मध्यप्रदेश के बाद छत्तीसगढ़ को सर्वाधिक पौधरोपण की स्वीकृति मिली है। वहीं परियोजना राशि प्राप्त करने की दृष्टि से छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल के बाद दूसरे स्थान पर है। इस अभियान से 1701 स्वसहायता समूहों की महिलाओं को सीधा लाभ प्राप्त होगा। प्रत्येक महिला को पौधों के रखरखाव एवं देखरेख के लिए एक वर्ष तक प्रतिमाह आठ हजार रुपए तथा जियो-टैगिंग एवं निगरानी कार्य हेतु एक हजार रुपए प्रतिमाह अतिरिक्त प्रदान किया जाएगा। इससे महिलाएँ न केवल आर्थिक रूप से सशक्त होंगी, बल्कि वे पर्यावरण संरक्षण में भी अहम योगदान दे सकेंगी।

शहरों में हरियाली बढ़ाने वीमेन फॉर ट्रीज अभियान

शहरों में हरित स्थानों की संख्या में बढ़ोतरी के लिए महिला स्वसहायता समूहों की सहभागिता बढ़ाने वीमेन फॉर ट्रीज अभियान शुरू किया गया है। यह भारत सरकार के एक पेड़ माँ के नाम अभियान से प्रेरित है। केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय की अनूठी पहल अमृत मित्र (अमृत 2.0 और डे-एनयूएलएम का अभिसरण) के तहत स्वसहायता समूहों को प्रेरित करने इस वृक्षारोपण अभियान को प्रारंभ किया गया है। मिशन अमृत 2.0 के अंतर्गत नगरीय निकायों में सरकारी स्वामीत्व की भूमियों, वाटर बॉडीज, आंगनबाड़ियों, सरकारी अस्पतालों, स्कूलों, उद्यानों, एसटीपी/डब्ल्यूटीपी, एसएलआरएम सेंटर्स, मुक्तिधामों, कृष्णकुंजों, गौठानों, धार्मिक स्थलों, एएचपी आवासों, रोड डिवाइडर्स इत्यादि में महिला समूहों के माध्यम से वृक्षारोपण किए जाएंगे। वीमेन फॉर ट्रीज अभियान के क्रियान्वयन के लिए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा सभी कलेक्टरों और नगरीय निकायों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950